वर्ष : 34 | अंक : 340 | मुंबई, सोमवार, 16 फरवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

महिला सशक्तिकरण सर्वोच्च प्राथमिकता

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के हर निर्णय में महिला कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनके अनुसार, विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी निर्णायक होगी और देश की प्रगति में उनका नेतृत्व महत्वपूर्ण रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख रहा है।

बजट 2026: 'हम तैयार हैं' का संदेश

प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट किसी मजबूरी का फैसला नहीं, बल्कि विकसित भारत के लक्ष्य की ठोस तैयारी का प्रतीक है। 2026-27 के लिए बुनियादी ढांचे पर 12.2 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है, जो 2013 की तुलना में पांच गुना अधिक है। उनके अनुसार, सरकार अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक निवेश और रोजगार सृजन पर जोर दे रही है।

रक्षा बजट में बड़ा इजाफा

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार रक्षा बलों के साथ मजबूती से खड़ी है और बदलती भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच रक्षा क्षेत्र का आधुनिकीकरण जरूरी है। बजट 2026 में रक्षा बजट को 6.81 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जो लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि है। रक्षा पूंजीगत व्यय में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी करते हुए इसे 1.80 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2.31 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है, यानी 28 प्रतिशत की वृद्धि। उन्होंने कहा कि सेना को सशक्त बनाने के लिए "जो भी जरूरी होगा" सरकार करेगी।

विकसित भारत की तैयारी

रक्षा से लेकर FTA तक सरकार का बड़ा संदेश : पीएम मोदी

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालिया साक्षात्कार में बजट 2026, मुक्त व्यापार समझौतों (FTA), रक्षा आधुनिकीकरण, निजी क्षेत्र की भूमिका और महिला सशक्तिकरण पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत आज वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभर रहा है और निवेशकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

38 देशों से FTA, वैश्विक बाजारों में बढ़त

पीएम मोदी ने बताया कि अब तक 38 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत विनिर्माण, सेवा क्षेत्र और MSME भारत की ताकत हैं, जो वैश्विक स्तर पर बेहतर सौदेबाजी की क्षमता देते हैं। एफटीए का उद्देश्य कपड़ा, चमड़ा, केमिकल, हस्तशिल्प और रत्न जैसे क्षेत्रों के छोटे व्यापारियों के लिए विदेशी बाजार खोलना है।उन्होंने यूपीए काल को 'आर्थिक कुप्रबंधन' का दौर बताते हुए कहा कि उस समय बातचीत तो होती थी, लेकिन परिणाम नहीं निकलते थे, जबकि वर्तमान सरकार आर्थिक सुधारों के लिए प्रतिबद्ध है।

डिजिटल, AI और निजी क्षेत्र पर फोकस

प्रधानमंत्री ने कहा कि Unified Payments Interface (UPI) ने भारत को डिजिटल लेनदेन में वैश्विक नेतृत्व दिलाया है। अब सरकार डेटा सेंटर और सुपर-कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भी अग्रणी बनने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने निजी क्षेत्र से अनुसंधान, आपूर्ति श्रृंखला और गुणवत्ता सुधार में निवेश बढ़ाने की अपील की और कहा कि आर्थिक विकास के अगले चरण में प्राइवेट सेक्टर की निर्णायक भूमिका होगी।

'सूर्या सेना' के आगे पाक का सरेंडर

भारत 61 रन से जीता, 8-1 की ऐतिहासिक बढ़त

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत ने एक बार फिर चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को बड़े मंच पर धूल चटाते हुए 61 रन से करारी शिकस्त दी। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175 रन बनाए और जवाब में पाकिस्तान को 114 रन पर समेट दिया। इस जीत के साथ भारत ने सुपर-8 में शानदार एंट्री कर ली और टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 8-1 कर लिया।

गेंदबाजों का कहर, 13 रन पर 3 विकेट

176 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की सटीक गेंदबाजी ने शुरुआती ओवरों में ही पाकिस्तान को बैकफुट पर धकेल दिया। बाबर आजम सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुए। उस्मान खान (44) ने जरूर संघर्ष किया, लेकिन दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरते रहे। अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने मध्य ओवरों में दबाव बनाए रखा। पूरी टीम 114 रन पर सिमट गई।

ईशान की तूफानी पारी, सूर्या का साथ

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और अभिषेक शर्मा शून्य पर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन ने मोर्चा संभाला। ईशान ने सिर्फ 40 गेंदों में 77 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 32 रन की अहम पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। तिलक वर्मा (25) और शिवम दुबे (27) ने भी उपयोगी योगदान दिया, जबकि रिंकू सिंह ने अंतिम ओवरों में 4 गेंदों पर 11 रन ठोककर स्कोर 175 तक पहुंचाया।पाकिस्तान की ओर से सैम अयूब ने 3 विकेट लिए, जबकि उस्मान तारिक, शाहीन आफरीदी और सलमान आगा को 1-1 सफलता मिली।

महाराष्ट्र में 21 ठिकानों पर ATS की छापेमारी, 14 संदिग्ध हिरासत में

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र एटीएस ने आतंकी गतिविधियों से जुड़े संदिग्ध इनपुट के आधार पर राज्य के दो जिलों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई यवतमाल और अहमदनगर (अहिल्यानगर) में कुल 21 ठिकानों पर की गई, जहां से 14 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, एटीएस को विशिष्ट खुफिया सूचना मिली थी कि कुछ युवाओं को आतंकी संगठनों से जोड़ने और उन्हें सक्रिय करने की कोशिश की जा रही है। इसके बाद एटीएस ने जिला पुलिस के साथ मिलकर आधी रात के आसपास छापेमारी शुरू की।यवतमाल जिले के पुसद और उमरखेड़ में 14 स्थानों तथा अहिल्यानगर जिले में सात स्थानों पर तलाशी ली गई।

दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त

तलाशी के दौरान संदिग्धों से जुड़े घरों, कार्यालयों और अन्य परिसरों की जांच की गई। एटीएस टीमों ने आपत्तिजनक दस्तावेज, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। साथ ही सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी की औपचारिक गिरफ्तारी नहीं हुई है। हिरासत में लिए गए 14 लोगों से पूछताछ जारी है और आगे की कानूनी कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी। अभियान के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

ब्रीफ न्यूज़

10 महीने की एलिन शेरिन को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई

केरल। 10 महीने की मासूम एलिन शेरिन अब्राहम का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया। सड़क हादसे में घायल होने के बाद ब्रेन-डेड घोषित हुई बच्ची ने अपने अंग दान कर पांच लोगों को नई जिंदगी दी। केरल पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जबकि केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने श्रद्धांजलि अर्पित की। परिवार ने एलिन के लिवर, किडनी, हार्ट वाल्व और कॉर्निया दान किए। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा, 'एलिन का निस्वार्थ योगदान मानवता के लिए मिसाल है। माता-पिता ने समाज को सशक्त संदेश दिया।'

असम चुनाव : मुख्य निर्वाचन आयुक्त तीन दिन के दौरे पर

नई दिल्ली। असम में विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग अपनी तैयारियों की समीक्षा के लिए तीन दिन के दौरे पर जा रहा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में आयोग का दल आज गुवाहाटी पहुंचेगा। इसमें निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विनीत जोशी भी शामिल हैं। दौरान आयोग राज्य प्रशासन और राजनीतिक दलों से बैठक करेगा। इसमें चुनावी तैयारियों, स्वतंत्र मतदान, सुरक्षा उपाय और चुनौतियों पर चर्चा होगी। जिला स्तर पर भी जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठकें आयोजित होंगी।

आगरा एयरफोर्स स्टेशन में पाकिस्तानी बैलून बरामद

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में एयरफोर्स के अत्यंत संवेदनशील तकनीकी क्षेत्र में एक संदिग्ध पाकिस्तानी गुब्बारे के मिलने से हड़कंप मच गया। आधा हरा और आधा सफेद रंग का यह गुब्बारा 'Pakistan International Airlines' (PIA) अंकित था और उस पर उर्दू में कुछ शब्द और 'SGA' भी लिखे मिले। यह घटना अंतरराष्ट्रीय सीमा से दूर स्थित आगरा के सैन्य क्षेत्र में सुरक्षा में बड़ी चूक की संभावना और किसी साजिश का संकेत देती है।

भारतीय युवाओं का विदेशों की ओर बढ़ रहा रुझान

18 लाख हुए विदेशी नागरिक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीयों का विदेशी नागरिक बनने के आंकड़ों का खुलासा हुआ है। युवाओं का विदेशी की ओर रूझान बढ़ रहा है। पिछले 13 वर्ष में लगभग 18 लाख लोग भारतीय नागरिकता छोड़कर विदेशी नागरिक बने हैं। यह जानकारी केंद्र सरकार के विदेश मंत्रालय ने राज्यसभा में अपने लिखित जवाब में दी है। वर्ष 2011 से 2018 तक हर साल औसतन 1 से 1.4 लाख लोगों ने विदेशी नागरिकता ली है। साल 2019 में लगभग 1,44,000 लोग विदेशों में बस गए। साल 2020 में कोविड महामारी के कारण इसमें कमी आई लेकिन 85,000 लोगों ने भारतीय नागरकिता छोड़ी।

वर्ष 2021 में 1,63,370 विदेशी नागरिक बनें। वर्ष 2022 में सबसे ज्यादा 2,25,620 लोग विदेशी निवासी हो गए। वर्ष 2023 में 2,16,219 और वर्ष 2024 में 2,06,378 लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी और विदेश में नागरिकता ले ली। सरकार ने अभी वर्ष 2025 का डेटा सार्वजनिक नहीं किया है। केंद्र सरकार ने साफ़ किया है कि ज़्यादातर नागरिक अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों की नागरिकता ले रहे हैं।

बेहतर अवसरों की तलाश में पलायन

विशेषज्ञ नागरिकता छोड़ने के मुख्य वजह बता रहे हैं कि अधिक वेतन और नौकरी में स्थिरता, ज़्यादा शिक्षा और रिसर्च के मौके, अच्छी हेल्थकेयर और सामाजिक सुरक्षा के कारण युवा विदेशों में रहना पसंद कर रहे हैं। या फिर जिनका परिवार पहले से ही विदेश में बसा हुआ है। लोगों में देश में सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता बढ़ने की भावना देखी गई है।

बागेश्वर धाम में दो लोगों की संदिग्ध मौत

छतरपुर। प्रसिद्ध तीर्थस्थल बागेश्वर धाम में संदिग्ध परिस्थितियों में दो लोगों की मौत से हड़कंप मच गया। दोनों मृतकों के शव जिला अस्पताल भेजे गए हैं और उन्हें पोस्टमार्टम हाउस में सुरक्षित रखा गया है। फिलहाल प्रशासन और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। अभी तक मृतकों की पहचान और वे धाम के किस हिस्से में ठहरे थे, इस पर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों के अनुसार घटना अचानक हुई, जिसके बाद धाम प्रबंधन और प्रशासन सक्रिय हुआ। पुलिस और प्रशासन की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो सकेंगे। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि क्या स्वास्थ्य संबंधी कारण, दुर्घटना या कोई अन्य वजह इस घटना के पीछे हो सकती है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

दोनों राकांपा के विलय पर लगा पूर्ण विराम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एसपी) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि दोनों राकांपा के विलय का विषय खत्म हो गया है। लेकिन राकांपा एसपी जब भी जरुरत पड़ेगी उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के साथ खड़ी रहेगी। जयंत पाटिल ने रविवार को मुंबई में पत्रकारों को बताया कि दोनों राकांपा के विलय की बातें तब शुरू हुई थीं, जब पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार जिंदा थे। इसी वजह से राकांपा एसपी के कई नेता दोनों राकांपा के विलय की बात कर रहे थे। इतना ही नहीं राकांपा एपी के भी कई नेता चाहते थे कि दोनों राकांपा एक हों। लेकिन राकांपा एपी के कुछ नेता विलय के पक्ष में नहीं है। उन्होंने कहा, मैं विलय पर कमेंट नहीं करना चाहता। हमारी पार्टी शरद पवार के नेतृत्व में है। हमारी पार्टी का एक अलग अस्तित्व है और हमारी पार्टी उसी दिशा में आगे बढ़ेगी। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जयंत ने कहा कि उनकी पार्टी किसी भी समय सुनेत्रा पवार और पार्थ पवार के सामने कोई रुकावट या सवाल नहीं खड़ा करना चाहेगी। राजनीति में कब क्या होगा, यह कहना मुमकिन नहीं है। दादा की अचानक हादसे में मौत के बाद एक बार फिर यह साबित हो गया है कि आज कल है या नहीं, क्या किस्मत को यही मंजूर है, जैसे कई सवाल हैं। तो हमें आगे क्या करना चाहिए? हमारी पार्टी खुद है, पवार साहब जैसी बड़ी हस्ती हैं, महाराष्ट्र में कई सवाल हैं। देश की आर्थिक स्थिति के मुद्दे हैं और भी कई सवाल हैं, तो हमारी पार्टी उस नज़रिए से सोचेगी।

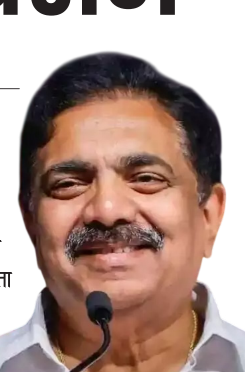

दोनों राकांपा के विलय पर पूर्ण विराम : जयंत पाटिल

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एसपी) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने स्पष्ट किया है कि दोनों राकांपा गुटों के विलय का विषय अब समाप्त हो चुका है। हालांकि उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर उनकी पार्टी उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के साथ खड़ी रहेगी। रविवार को मुंबई में पत्रकारों से बातचीत में जयंत पाटिल ने कहा कि विलय की चर्चा उस समय शुरू हुई थी जब पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार सक्रिय थे।

चीन का बड़ा कदम : कनाडा और ब्रिटेन के नागरिकों को वीजा-फ्री एंट्री

एजेंसी | नई दिल्ली

चीन ने कनाडा और ब्रिटेन के नागरिकों को बिना वीजा प्रवेश की सुविधा देने का बड़ा फैसला किया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने रविवार को घोषणा की कि नई नीति 17 फरवरी से लागू होगी और वर्ष के अंत तक प्रभावी रहेगी। नई व्यवस्था के तहत कनाडा और ब्रिटेन के पासपोर्ट धारक चीन में अधिकतम 30 दिन तक बिना वीजा के रह सकेंगे। वे व्यवसाय, पर्यटन या दोस्तों और परिवार से मिलने के उद्देश्य से यात्रा कर सकेंगे। यह फैसला ऐसे समय आया है जब हाल ही में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने चीन का दौरा किया था।

फाइव आइज समूह में अमेरिका अलग

फाइव आइज एक खुफिया साझेदारी समूह है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। चीन इससे पहले जुलाई 2024 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के नागरिकों को भी वीजा-फ्री एंट्री दे चुका है। अब इस समूह में केवल अमेरिका ही ऐसा देश है, जिसके नागरिकों को चीन जाने के लिए वीजा की आवश्यकता होगी।

रूस से तेल खरीद पर अमेरिका का दावा

भारत ने नहीं बदला अपना रुख

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापार समझौते के बाद रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दावा किया है कि भारत ने रूस से अतिरिक्त तेल नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है।

म्यूनिख सम्मेलन में बयान

जर्मनी में आयोजित म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में बोलते हुए मार्को रुबियो ने कहा, 'भारत के साथ हमारी बातचीत में हमें रूस से अतिरिक्त तेल खरीदना बंद करने की उनकी प्रतिबद्धता मिली है।' वह रूस-यूक्रेन युद्ध और मॉस्को पर लगाए गए प्रतिबंधों से जुड़े सवाल का जवाब दे रहे थे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फरवरी की शुरुआत में नई दिल्ली के साथ एक व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए दावा किया था कि भारत रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदने पर सहमत हो गया है।

टैरिफ वापस लेने का फैसला

व्यापार समझौते की घोषणा के बाद ट्रंप प्रशासन ने एक कार्यकारी आदेश जारी कर भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने पर अगस्त में लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को वापस लेने का निर्णय किया था। भारत ने हालांकि कच्चे तेल की खरीद को लेकर अपना आधिकारिक रुख स्पष्ट किया है। विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने कहा कि भारत की नीति ऊर्जा आपूर्ति में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्रोतों को बनाए रखने और उनमें विविधता लाने की रही है। भारत का कहना है कि राष्ट्रीय हित उसके ऊर्जा आयात निर्णयों का मार्गदर्शक सिद्धांत रहेगा। सरकार ने संकेत दिया है कि आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी।

मालेगांव की डिप्टी मेयर ने दफ्तर से हटाई टीपू सुल्तान की तस्वीर

डीबीडी संवाददाता | मालेगांव

महाराष्ट्र के नासिक जिले के मुस्लिम बहुल शहर मालेगांव में नव-निर्वाचित डिप्टी मेयर के कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। डिप्टी मेयर निहाल अहमद द्वारा तस्वीर लगाए जाने के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गईं। भाजपा ने 24 घंटे के भीतर तस्वीर हटाने का अल्टीमेटम दिया था। बढ़ते विरोध के बीच निहाल अहमद ने अपने कार्यालय से तस्वीर हटा दी।

टीपू सुल्तान (1751–1799) मैसूर रियासत के शासक थे और 'शेर-ए-मैसूर' के नाम से प्रसिद्ध थे। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ चार एंग्लो-मैसूर युद्ध लड़े। एक ओर उन्हें ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष करने वाले योद्धा के रूप में देखा जाता है, वहीं दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में वे कथित अत्याचारों के आरोपों को लेकर विवादित ऐतिहासिक व्यक्तित्व भी माने जाते हैं। हाल ही में हुए मालेगांव नगर निगम चुनावों में इस्लाम पार्टी की शेख नसीरीन खालिद मेयर चुनी गईं, जबकि निहाल अहमद डिप्टी मेयर बनीं।

शिवसेना-BJP ने दिया था अल्टीमेटम

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

आशीष शेलार ने आरोप लगाया कि कुछ ताकतें शहरों की पहचान बदलने की कोशिश कर रही हैं। वहीं शिवसेना प्रवक्ता शायना एनसी ने इसे हिंदू समाज और देश के नायकों का अपमान बताया। दूसरी ओर, सचिन सावंत ने कहा कि भाजपा टीपू सुल्तान के मुद्दे पर राजनीति कर रही है। उनका आरोप है कि ध्रुवीकरण की राजनीति के तहत ऐतिहासिक व्यक्तित्वों को धार्मिक विभाजन के नजरिए से प्रस्तुत किया जा रहा है।

शिवसेना और भाजपा का विरोध

तस्वीर लगाए जाने के बाद शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और भाजपा ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। शिवसेना गुट के नेता नीलेश अहेर ने इस मुद्दे को नगर प्रशासन के समक्ष उठाया। विवाद पर सफाई देते हुए निहाल अहमद ने कहा कि यह तस्वीर उन्हें पार्षदों द्वारा भेंट की गई थी और उनका उद्देश्य किसी की भावनाएं आहत करना नहीं था। उन्होंने टीपू सुल्तान को स्वतंत्रता सेनानी बताते हुए कहा कि उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और सरकार के हलफनामे में भी इसका उल्लेख है।

टीपू-शिवाजी तुलना पर सियासी घमासान

पुणे में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के खिलाफ केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता | पुणे

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना टीपू सुल्तान से किए जाने के बाद राजनीतिक विवाद गहरा गया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समेत कई संगठनों ने कड़ा विरोध जताया है। पुणे शहर भाजपा अध्यक्ष धीरज घाटे ने पार्वती पुलिस स्टेशन में सपकाल के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुणे स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर उनकी गिरफ्तारी की मांग की। नागपुर, सांगली और छत्रपति संभाजीनगर सहित कई शहरों में भी विरोध प्रदर्शन हुए।

मराठा संगठनों का भी विरोध

मराठा क्रांति मोर्चा के समन्वयक महेश डोंगरे ने बयान की निंदा करते हुए कहा कि शिवाजी महाराज का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सपकाल के चेहरे पर कालिख पोतने वाले को एक लाख रुपए इनाम देने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि सपकाल ने कहा था कि शिवाजी महाराज की वीरता अद्वितीय है और टीपू सुल्तान भी पराक्रमी थे, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि संविधान की मूल प्रति में दोनों की तस्वीरें हैं। इस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शिवाजी महाराज ने मुगलों से लड़कर स्वराज्य स्थापित किया, जबकि टीपू सुल्तान के शासनकाल में हजारों हिंदुओं की हत्या हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति कर रही है और महाराष्ट्र ऐसी बातों को स्वीकार नहीं करेगा।

महाराष्ट्र में होगी नेशनल स्किल प्रतियोगिता

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में नेशनल स्किल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी केंद्रीय कौशल विकास मंत्री जयंत चौधरी ने दी है। वेस्टर्न रीजन इंडिया स्किल कॉम्पिटिशन का उद्घाटन रविवार को गुजरात के गांधीनगर में हुआ। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के कौशल मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में लोढ़ा ने महाराष्ट्र में कौशल विकास प्रतियोगिता-2028 आयोजित करने का प्रस्ताव केंद्रीय मंत्री चौधरी के सामने रखा। चौधरी ने इस पर सहमति दे दी है।

इस साल अंतरराष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता चीन के शंघाई में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में केंद्रीय कौशल विकास मंत्रालय और नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनएसडीसी) के सहयोग से पूरे देश में इंडिया कौशल नेशनल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। वेस्टर्न रीजन डिवीजन का मेन राउंड गांधीनगर में हो रहा है। इसमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा के 300 से ज़्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया है। इसमें महाराष्ट्र के 117 छात्र हिस्सा ले रहे हैं। अगली प्रतियोगिता नोएडा में होगी और उसके बाद प्रतिभागी चीन में होने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। लोढ़ा ने कहा कि कौशल प्रतियोगिता का प्लेटफॉर्म छात्रों का एक उज्ज्वल भविष्य होगा।

मीरा-भाईंदर में शिवमय माहौल

महाशिवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ी आस्था की भीड़

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

'आशुतोष तुम्ह अवढर दानी, आरति हरहु दीन जनु जानी' की स्वर लहरियों और हर-हर महादेव के जयघोष से मीरा-भाईंदर शहर शिवमय हो गया। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शहर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और भक्तिभाव व उल्लास के साथ पर्व मनाया गया। महाशिवरात्रि सनातन धर्म का प्रमुख पर्व है, जिसे भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन का प्रतीक माना जाता है।

फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को मनाए जाने वाले इस पर्व पर भक्त व्रत रखकर रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन और जागरण करते हैं तथा महाकाल की कृपा की कामना करते हैं।

भाईंदर (प.) स्थित लगभग 150 वर्ष पुराने नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, चंद्रमौलेश्वर शिवालय, मीरा रोड के हाटकेश्वर महादेव मंदिर, श्री चतुरेश्वर महादेव, श्री राम मंदिर (रामदेव पार्क), श्री शनि धाम मंदिर तथा घोडबंदर स्थित अतिप्राचीन अमृतेश्वर महादेव शिवालय में रुद्राभिषेक, हवन और भजन संध्या का आयोजन हुआ।

संध्या आरती के समय विशेष श्रृंगार के साथ जलाभिषेक किया गया और जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा। श्री शनि धाम मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए ठंडई प्रसाद की व्यवस्था की गई।

भाईंदर (पू.) स्थित श्री सप्तेश्वर हनुमान मंदिर में विधायक नरेंद्र मेहता ने धर्मपत्नी संग रुद्राभिषेक कर विश्व कल्याण की प्रार्थना की। भोजपुरी फिल्म निर्माता पिंटू सिंह ने माँ बगलामुखी आश्रम में ठंडई प्रसाद वितरित किया। मीरा रोड स्थित माँ राज राजेश्वरी श्री बगलापीठ में 108 पार्थिव शिवलिंग बनाकर चार प्रहर की पूजा एवं सामूहिक रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। आचार्य सुरेश ओझा के अनुसार महाशिवरात्रि का वैज्ञानिक महत्व पृथ्वी की उत्तरी गोलार्ध स्थिति से जुड़ा है। फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि में ऊर्जा प्रवाह स्वाभाविक रूप से ऊपर की ओर होता है, जिससे साधना और ध्यान के लिए यह समय सर्वोत्तम माना जाता है। जागरण के दौरान रीढ़ सीधी रखने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन संतुलित रहता है, जिससे मानसिक शांति और एकाग्रता में वृद्धि होती है।

कोंकण सिंचाई परियोजनाएं समय पर पूरी हों

जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने अधिकारियों को दिए निर्देश

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने कोंकण खोरे विकास महामंडल के तहत स्वीकृत सिंचाई परियोजनाओं को तय समय सीमा में तेज़ी से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। 11 फरवरी को ठाणे स्थित कार्यालय में आयोजित रेगुलेटरी बोर्ड की बैठक में मंत्री महाजन ने विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कपूर, सचिव संजय बेलसारे, कोंकण खोरे विकास महामंडल के कार्यकारी निदेशक अतुल कपोले, विदर्भ सिंचाई विकास निगम के कार्यकारी निदेशक राजेश सोनटक्के सहित विभिन्न क्षेत्रीय अधिकारी मौजूद रहे। वित्त और नियोजन विभाग के अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

मंत्री महाजन ने कहा कि बोर्ड द्वारा मंजूर किए गए कार्यों से सिंचाई क्षेत्र का विस्तार होगा, इसलिए सभी परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करना अनिवार्य है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि चालू वित्तीय वर्ष में प्राप्त निधि का 100 प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए। बैठक में देहरजी, कालू, बालगंगा, हरिहरेश्वर, पोशीर और शेलार परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही मुंबई शहर के लिए महत्वपूर्ण जलापूर्ति परियोजनाओं में भी गति लाने पर जोर दिया गया।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहीदी वर्षगांठ

विद्यार्थियों ने प्रभातफेरी निकालकर एकता का संदेश दिया

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहीदी वर्षगांठ के मौके पर, विशाल हिंदी हाई स्कूल और आज़ाद इंग्लिश स्कूल के साथ मिलकर विद्यार्थियों ने 'हिंद की चादर' पहल के तहत जोश के साथ प्रभातफेरी निकाली। इस प्रभातफेरी में बड़ी संख्या में विद्यार्थी,अध्यापक और पेरेंट्स ने हिस्सा लिया, जिसने देशभक्ति और सामाजिक एकता का संदेश दिया।प्रभातफेरी के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारे लगाए और समाज में भाईचारा, एकता और देशभक्ति का संदेश दिया। हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर विद्यार्थियों ने इलाके में जागरूकता फैलाई।विद्यार्थियों को श्री गुरु तेग बहादुर साहिब द्वारा मानवता की रक्षा के लिए दी गई बहादुरी, त्याग और बलिदान के बारे में भी बताया गया।इस एक्टिविटी ने न केवल स्टूडेंट्स में इतिहास के बारे में जागरूकता पैदा की, बल्कि सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के महत्व पर भी प्रकाश डाला।अध्यापक ने विद्यार्थियों को बताया कि ऐसी एक्टिविटीज़ से कल्चरल वैल्यूज़ और सोशल अवेयरनेस बढ़ाने में मदद मिलती है।दोनों स्कूलों के अधयापक और कर्मचारियों ने प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए बहुत मेहनत की। प्रभातफेरी को लोकल लोगों से भी रिस्पॉन्स मिला।

तेग बहादुर साहेब की शहादत वर्षगांठ पर टीएमसी का स्वास्थ्य शिविर

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहादत की सालगिरह के मौके पर हो रही 'हिंद-दी-चादर' पहल के तहत, ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट ने लोगों की सेहत का ध्यान रखने के लिए एक खास हेल्थ कैंप लगाया। यह कैंप सावरकर नगर और काजूवाड़ी के हेल्थ सेंटर्स पर जोश के साथ लगाया गया।

इस कैंप में लोगों का जनरल हेल्थ चेक-अप, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर (शुगर) चेक-अप, हीमोग्लोबिन टेस्ट, बच्चों और महिलाओं की हेल्थ गाइडेंस के साथ-साथ लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों के बारे में अवेयरनेस दी गई। हेल्थ स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को सही डाइट, आहार नियमित रेगुलर कसरत व योगाभ्यास और बचाव के तरीकों के बारे में बताया।

बड़ी संख्या में महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकगण और युवाओं ने कैंप का फायदा उठाया। कई लोगों ने फ्री चेक-अप और मेडिकल सलाह पाकर खुशी जताई। टीएमसी में मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सक अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल ने बताया कि ठाणे महानगर पालिका के सभी स्वास्थ्य सेवा केंद्र में ऐसे शिविर लगाए जाएंगे।

पौराणिक श्री कोपनेश्वर मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

शहर के ऐतिहासिक कोपनेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर लाखों की संख्या में भक्तों ने भगवान शिव के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। लगभग 600 वर्ष से अधिक प्राचीन इस मंदिर में विराजमान शिवलिंग का निर्माण वर्ष 1760 में रामजी बिवलकर द्वारा कराया गया था, जिन्हें महादेव नगर के पुराण पुरुष और ग्राम देवता के रूप में भी जाना जाता है। मंदिर के अध्यक्ष मकरंद रेगे और सचिव रवींद्र उतेकर ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर पहली पूजा मंदिर के पुजारी विनायक गाडे के हाथों संपन्न हुई। इसके बाद ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। सुबह से ही भगवान कोपनेश्वर के दर्शन के लिए लंबी कतारें लग गईं। दिनभर भक्तों की भीड़ उमड़ती रही और श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मंदिर परिसर में सुरक्षा के मद्देनज़र पुलिस बल और निजी सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए थे। विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। इस अवसर पर ट्रस्ट के अनिकेत भावे सहित सभी पदाधिकारियों ने व्यवस्थाओं की कमान संभाली और श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखा।

अन्य मंदिरों में भी विशेष आयोजन

हजूरी परिसर स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में भी भक्तों ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। वहीं तीन हाथ नाका स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिरमें भी विशेष व्यवस्था की गई। मंदिर ट्रस्ट के धर्मेंद्र तिवारी, गुड्डू सिंह और राकेश रोहिदास सहित अन्य सदस्यों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए पूजा सामग्री और जलपान की व्यवस्था की गई। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पूरे शहर में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर मंथन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत अजीत पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन को लेकर पार्टी में मंथन में शुरू हो गया है। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा है। बताया जाता है कि आगामी 15 दिनों में नई राष्ट्रीय कार्यसमिति के गठन की चयन प्रक्रिया होगी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक जल्द होने वाली है।

इस बैठक में संगठन की आगामी दशा व दिशा को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। चुनाव के तरीके, नामांकन प्रक्रिया और संगठनात्मक तालमेल के बारे में फैसले लिए जाएंगे। पार्टी में अलग-अलग स्तर पर ऑफिस बेयरर्स से सलाह करके आम सहमति बनाने की भी कोशिश की जाएगी। साफ़ किया गया है कि कार्यकारिणी की बैठक के बाद ही अधिकृत घोषणा की जाएगी।

अधिकांश नेताओं ने सुनेत्रा पवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की मांग है। इस बीच पार्टी में कार्यकारिणी के अन्य पदों के संभावित उम्मीदवारों को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

मनपा में 'बैक डोर' एंट्री की होड़ तेज, स्वीकृत नगरसेवक बनने की जोड़-तोड़ जारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राज्य की कई महानगरपालिकाओं में मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव खत्म होने के बाद अब स्वीकृत नगरसेवक (नॉमिनेटेड कॉर्पोरेटर) बनने की प्रक्रिया में राजनीतिक जोड़-तोड़ शुरू हो गई है। बीजेपी, शिवसेना और अन्य दलों के पदाधिकारी, साथ ही मनपा चुनाव में हारने वाले उम्मीदवार भी 'पिछले दरवाजे' से मनपा में प्रवेश पाने की कोशिश कर रहे हैं। मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पुणे और नागपुर में पहले 5 की बजाय अब 10 नॉमिनेटेड सदस्य चुने जाएंगे। इससे मनपा में बैक डोर एंट्री की होड़ और तेज हो गई है।

राजनीतिक समीकरण

मुंबई मनपा में बीजेपी और शिवसेना की संख्या को देखते हुए, संभावित नॉमिनेटेड सदस्य इस प्रकार हो सकते हैं:

- बीजेपी: 4
- शिवसेना (एकनाथ शिंदे): 2
- शिवसेना (UBT): 1
- कांग्रेस: 1

- एमआईएम और मनसे: कोई सीट नहीं
- ठाणे मनपा में संभावित विभाजन: शिंदे शिवसेना 7, बीजेपी 2, एनसीपी 1।

जोर-शोर से लॉबिंग

मनपा चुनाव में हारने वाले उम्मीदवार, साथ ही चुनाव के दौरान पार्टी बदलकर बीजेपी या शिवसेना में शामिल हुए नेता, लगातार लॉबिंग और संपर्क कर रहे हैं ताकि नॉमिनेटेड पद हासिल किया जा सके।

कौन बन सकता है नगरसेवक

- राज्य सरकार के नोटिफिकेशन के अनुसार, केवल वे लोग नॉमिनेटेड नगरसेवक बन सकते हैं जिनके पास निर्धारित मानकों के तहत 5 साल का अनुभव हो:
- मेडिसिन, एजुकेशन, इंजीनियरिंग या लॉ के क्षेत्र में
- मान्यता प्राप्त स्कूल/कॉलेज में रिटायर्ड प्रोफेसर, लेक्चरर या प्रिंसिपल
- चार्टर्ड अकाउंटेंट या एक्सपेंस अकाउंटेंट
- म्युनिसिपल कमिश्नर या संबंधित प्रशासनिक पद से रिटायर
- साथ ही सोशल वेलफेयर के क्षेत्र में कम से कम 5 साल का अनुभव रखने वाले व्यक्ति भी स्वीकृत नगरसेवक बन सकते हैं।

शिवाजी–टीपू टिप्पणी विवाद

भाजपा का प्रदर्शन, कांग्रेस का पथराव का आरोप

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/पुणे

भाजपा के कार्यकर्ताओं ने रविवार को पुणे में कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। यह विरोध Harshvardhan Sapkal की उस टिप्पणी के खिलाफ था, जिसमें उन्होंने टीपू सुलतान को छत्रपति शिवाजी महाराज के 'समकक्ष' बताया था। वहीं, कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने पथराव किया, जिसमें उसके दो कार्यकर्ता घायल हो गए। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इलाके में भारी बंदोबस्त किया। भाजपा नेताओं ने सपकाल की टिप्पणी की निंदा करते हुए कांग्रेस भवन के बाहर प्रदर्शन किया। भाजपा की पुणे इकाई के अध्यक्ष धीरज घाटे ने पर्वती थाने में सपकाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस उपायुक्त (जोन एक) कृषिकेश रावले ने कहा कि टकराव की स्थिति बनने पर पुलिस ने हस्तक्षेप किया।

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के उपाध्यक्ष मोहन जोशी ने आरोप लगाया कि नव-निर्वाचित महापौर मंजुषा नागपुरे समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस भवन के बाहर जमा हुए और प्रदर्शन के दौरान पत्थर फेंके गए। कांग्रेस ने इस मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर शिवाजीनगर थाने के बाहर धरना दिया।

मालेगांव में भी विवाद

शनिवार को मालेगांव महानगरपालिका की उप-महापौर शान-ए-हिंद निहाल अहमद के कार्यालय में टीपू सुल्तान का चित्र लगाए जाने को लेकर भी विवाद हुआ। शिवसेना पार्षदों और कुछ हिंदू संगठनों ने इस पर आपत्ति जताई थी। कांग्रेस नेता सचिन सावंत ने भाजपा पर 'दोहरे मापदंड' अपनाने और ध्रुवीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि 2012 में अकोला महानगरपालिका में स्थायी समिति हॉल का नाम 'शहीद-ए-वतन शेर-ए-मैसूर टीपू सुल्तान' रखने का प्रस्ताव पारित हुआ था, जिसमें भाजपा नेताओं की भूमिका थी।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

टीपू सुल्तान भारतीय इतिहास की एक विवादास्पद हस्ती रहे हैं। एक वर्ग उन्हें अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करने वाले योद्धा के रूप में देखता है, जबकि दूसरा वर्ग दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में कथित अत्याचारों के लिए उनकी आलोचना करता है। इसके विपरीत, छत्रपति शिवाजी महाराज को सैन्य कौशल, सुशासन और सामाजिक समरसता के लिए व्यापक सम्मान प्राप्त है। इस पूरे घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है, जहां दोनों प्रमुख दल एक-दूसरे पर राजनीतिक लाभ के लिए इतिहास के इस्तेमाल का आरोप लगा रहे हैं।

मुलुंड मेट्रो हादसा

इंजीनियर निलंबित

ठेकेदार पर 5 करोड़ जुर्माना, हाई-लेवल जांच कमेटी गठित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुलुंड मेट्रो पिलर हादसे के मामले में मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (MMRDA) के इंजीनियर सत्यजीत साल्वे को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही एमएमआरडीए ने संबंधित ठेकेदार पर 5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कर चुके हैं, जबकि घायलों के उपचार का पूरा खर्च एमएमआरडीए वहन करेगा। हादसे में उत्तर प्रदेश के जौनपुर निवासी 46 वर्षीय रामधनी यादव की मौत हो गई। वह मुंबई घूमने आए थे।

पांच आरोपी गिरफ्तार

मुलुंड पुलिस ने देर रात पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें प्रोजेक्ट डायरेक्टर हरीश चौहान, प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सपकाल, डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर सौरभ सिंह, सुपरवाइजर प्रशांत भोईर और हिल इंटरनेशनल इंक के प्रोजेक्ट मैनेजर अवधूत इनामदार शामिल हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। एमएमआरडीए ने पिलर का हिस्सा गिरने के कारणों की जांच के लिए हाई-लेवल कमेटी गठित की है, जो निर्माण पद्धति, गुणवत्ता नियंत्रण, सुपरविजन और थर्ड-पार्टी ओवरसाइट की समीक्षा करेगी। एहतियात के तौर पर संबंधित हिस्से में निर्माण कार्य फिलहाल रोक दिया गया है।

स्क्रैप बिक्री से मध्य रेल को 404.72 करोड़ का राजस्व

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल ने वित्त वर्ष 2025-26 में स्क्रैप बिक्री के माध्यम से उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। 11 फरवरी 2026 तक मध्य रेल ने 404.72 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि (फरवरी 2025 तक) के 393.65 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 2.81 प्रतिशत अधिक है।

'शून्य स्क्रैप' मिशन को गति

मध्य रेल ने 'शून्य स्क्रैप स्थिति' के लक्ष्य को हासिल करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए स्क्रैप को राजस्व-सृजन करने वाली संपत्ति में बदलने की दिशा में व्यवस्थित अभियान चलाया। इस दौरान 40,177 मीट्रिक टन रेलवे स्थायी स्क्रैप, 2,55,318 स्लीपर, 25,790 मीट्रिक टन लौह स्क्रैप, 3,325 मीट्रिक टन अलौह स्क्रैप का निपटान किया गया। साथ ही 47 लोकोमोटिव, 70 कोच और 110 वैगन भी स्क्रैप के रूप में बेचे गए।

दूरस्थ यार्डों में विशेष अभियान

स्टोर्स विभाग ने कुर्ला कटिंग यार्ड, ट्रैक्शन मशीन वर्कशॉप (नाशिक), परेल वर्कशॉप और मनमाड वर्कशॉप सहित विभिन्न दूरस्थ स्थानों और सभी पांच मंडलों में पड़े स्क्रैप की पहचान कर उसके निपटान के लिए विशेष अभियान चलाए। इन प्रयासों से बिक्री प्रदर्शन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई।

भुसावल मंडल सबसे आगे

मंडलों में भुसावल मंडल अग्रणी रहा, जिसने 11 फरवरी 2026 तक 97.72 करोड़ रुपये की सर्वाधिक स्क्रैप बिक्री दर्ज की। यह उपलब्धि वित्तीय अनुशासन, परिचालन दक्षता और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति मध्य रेल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

10 स्टेशनों पर मेडिकल रूम की मंजूरी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

लोकल और अन्य यात्री ट्रेनों में सफर करने वाले लाखों यात्रियों को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सेंट्रल रेलवे के 10 उपनगरीय स्टेशनों पर जल्द ही इमरजेंसी मेडिकल रूम (ईएमआर) शुरू किए जाएंगे। इनकी स्थापना को ई-ऑक्शन के जरिए मंजूरी मिल चुकी है।

जानकारी के अनुसार, कलवा, टिटवाला, कर्जत, कुर्ला, ठाणे, मुंब्रा, घाटकोपर, चेम्बूर, मानखुर्द और एलटीटी (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) स्टेशनों पर ईएमआर स्थापित किए जाएंगे। रेलवे मामलों के जानकार और एक्टिविस्ट समीर जवेरी ने आरटीआई के तहत मिली जानकारी का हवाला देते हुए बताया कि उपनगरीय स्टेशनों पर आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं को फिर से सुदृढ़ करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

8 और स्टेशनों का प्रस्ताव

इन 10 स्टेशनों के अलावा कसारा, दादर, डोंबिवली, सायन, विक्रोली, भांडुप, दिवा और इगतपुरी जैसे व्यस्त स्टेशनों पर भी ईएमआर सेवा शुरू करने के लिए ई-ऑक्शन प्रक्रिया प्रस्तावित है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, इन स्टेशनों पर यात्रियों की भारी आवाजाही को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है।

रोजाना लाखों यात्रियों का सफर

मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली वेस्टर्न रेलवे और सेंट्रल रेलवे की लोकल ट्रेनों से प्रतिदिन लगभग 80 लाख यात्री सफर करते हैं। भीड़भाड़ और अन्य कारणों से आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं, जिससे तत्काल चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता महसूस होती है। बताया गया है कि उपनगरीय स्टेशनों पर ईएमआर शुरू करने का निर्णय हाईकोर्ट के निर्देश के बाद लिया गया था। शुरुआती दौर में कई स्टेशनों पर यह सुविधा शुरू हुई थी, लेकिन समय के साथ कुछ स्थानों पर बंद हो गई। वर्तमान में सेंट्रल रेलवे के करीब 90 उपनगरीय स्टेशनों में से केवल 5–6 पर, जबकि वेस्टर्न रेलवे के 30 स्टेशनों में से लगभग 14–15 पर ही ईएमआर सेवाएं कार्यरत हैं। बढ़ती दुर्घटनाओं के मद्देनजर इन सुविधाओं को दोबारा सक्रिय और विस्तारित करने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

जमीन दिलाने के नाम पर 1.10 करोड़ की ठगी

पुणे। पिंपरी से जुड़े एक बड़े वित्तीय धोखाधड़ी मामले में पुणे के मुलशी इलाके में जमीन दिलाने के नाम पर 1 करोड़ 10 लाख रुपये की ठगी सामने आई है। इस संबंध में हिंजवड़ी पुलिस स्टेशन में दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी राजेंद्र कोंडीबा शितोले और हिरामण ज्ञानोबा वाजे ने वाकड निवासी 45 वर्षीय तुषार आत्माराम कलाटे को मुलशी तहसील के जांबे क्षेत्र में आकर्षक जमीन दिलाने का झांसा दिया था। यह कथित धोखाधड़ी वर्ष 2011 से शुरू होकर 12 फरवरी 2026 तक जारी रही। आरोपियों ने आपसी जान-पहचान और विश्वास का फायदा उठाकर निवेश के नाम पर बड़ी रकम ऐंठी।शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने कई वर्षों तक नकद और बैंक ट्रांसफर के माध्यम से कलाटे से कुल 1.10 करोड़ रुपये वसूले। लंबे समय तक इंतजार के बावजूद न तो जमीन की रजिस्ट्री कराई गई और न ही रकम वापस की गई। इसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

श्रीकांत शिंदे ने दी गणेश नाईक को लोकसभा चुनाव लड़ने की चुनौती

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाईक द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर आरोप लगाए जाने के बाद महायुति में तनाव बढ़ गया है। शिंदे के पुत्र व सांसद श्रीकांत शिंदे ने नाईक पर पलटवार किया है और खुली चुनौती दी है कि हिम्मत है तो वे उनके सामने आगामी लोकसभा का चुनाव लड़कर दिखाएं।

पिछले दिनों भाजपा नेता व मंत्री गणेश नाईक ने आरोप लगाया था कि हमारी ही सरकार के नगर विकास विभाग ने नवी मुंबई में बिल्डरों को प्लॉट दिए हैं। अस्पताल, गार्डन और स्कूल के लिए जमीन नहीं दी गई। जिस मंत्रिमंडल का मैं सदस्य हूं, उसी नगर विकास विभाग के लोगों ने ऐसा जुल्म किया है। मैंने चुप रहने के लिए मंत्री का पद नहीं लिया है। नवी मुंबईकरों के प्लॉट उन्हं वापस किए जाने चाहिए। नगर विकास विभाग उपमुख्यमंत्री शिंदे के अधीन है। नाईक के आरोपों के बाद ठाणे जिले में भाजपा और शिंदे गुट के बीच तनातनी बढ़ गई है। सांसद श्रीकांत शिंदे ने इस पर पलटवार किया है कि शायद नाईक अपनी याददाश्त खो चुके हैं। उन्हें इस तरह की भाषा नहीं बोलनी चाहिए। यदि वे ज्यादा भ्रमित हो गए हैं तो उन्हें आगामी लोकसभा चुनाव में खड़ा होना चाहिए। वे कल्याण या ठाणे किसी भी लोकसभा सीट को चुन सकते हैं। मेरे खुली चनौती है कि वे जहां से भी चुनाव लड़ना चाहें, वहां से लड़ सकते हैं।

पश्चिम रेलवे

ट्रैक बॉन्डिंग कार्य

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (Sub), Western Railway, मुंबई सेंट्रल, **ई-टेंडर संख्या: WR-MMCTOESUB (ESOT)/3/2026 दिनांक: 10.02.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** चर्चगेट–विरार सेक्शन में निम्नलिखित कार्यों के संबंध में ट्रैक बॉन्डिंग कार्य –TSR (P) – 24.645 किमी,TRR (P) – 16.501 किमी,TTR (FS + TWS + WCMSC) – 80 सेट,TTR (CMSC) – 71 सेट,TTR (CS) – 49 सेट,SEJs – 62 संख्या **अनुमानित लागत:** 81,63,659/-,**EMD** 1,63,300/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 10.03.2026 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 10.03.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in 1110

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

घर खरीदने के लिए रेजिडेंस सर्टिफिकेट अनिवार्य

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

म्हाडा के मुंबई बोर्ड ने 'फर्स्ट कम फर्स्ट'/'फर्स्ट प्रायोरिटी' स्कीम के तहत घर खरीदने के लिए महाराष्ट्र का रेजिडेंस सर्टिफिकेट अनिवार्य कर दिया है। बोर्ड एक सप्ताह के भीतर 120 घरों की बिक्री के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू करेगा।स्कीम के तहत आवेदन करने के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड, जाति प्रमाणपत्र और जाति वैलिडिटी सर्टिफिकेट पहले से आवश्यक थे। अब इनमें महाराष्ट्र रेजिडेंस सर्टिफिकेट भी जोड़ा गया है। इसके अनुरूप कंप्यूटर सिस्टम में बदलाव किए जा रहे हैं।

120 अनबिके घर स्कीम में शामिल

मुंबई बोर्ड की पिछली लॉटरी में महंगे घर दो या उससे अधिक बार निकाले जाने के बावजूद नहीं बिक पाए। ऐसे 120 घर खाली हैं, जिससे बोर्ड का राजस्व अटका हुआ है। इन्हीं घरों को 'फर्स्ट कम फर्स्ट' और 'फर्स्ट प्रायोरिटी' स्कीम में शामिल करने का निर्णय लिया गया। 3 फरवरी को 120 घरों की बिक्री के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, इस स्कीम में केवल महाराष्ट्र निवासी ही पात्र होंगे।

15 दिन का विशेष समय

रेजिडेंस सर्टिफिकेट प्राप्त करने में समय लगने को देखते हुए बोर्ड ने विशेष प्रावधान किया है। आवेदन स्वीकृति और फ्लैट की कुल राशि के 10 प्रतिशत भुगतान की प्रक्रिया के लिए 15 दिन का समय दिया जाएगा, ताकि आवेदक आवश्यक प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर सकें। सूत्रों के मुताबिक, रजिस्ट्रेशन फरवरी के तीसरे सप्ताह में शुरू होने की संभावना है!

पश्चिम रेलवे

मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (WA), पश्चिम रेलवे ,6वीं मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008, **निविदा सूचना संख्या: BCT / 25-26/315 दिनांक : 09.02.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान:** बांद्रा रेलवे स्टेशन पर ग्रेड–I विरासत (Heritage) संरचना की मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य। **अनुमानित लागत:** 87,08,574.65/- **EMD:** 1,74,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 10.03.2026 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 10.03.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 1111

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

समग्र निवारक अनुरक्षण अनुबंध

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कोचिंग), मुंबई सेंट्रल–08 **निविदा सूचना संख्या WR-MMCT0ECOA (ECTD)/21/2024, O/o SRDEE/CHG/MMCT/W (Computer No. 545238) दिनांक 11/02/2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** रेलवे के एसजीएसी (SGAC) कोचों में लगे M/s ऑटोमीटर (AUTOMETER) निर्मित 25 KVA इन्वर्टरों के लिए तीन वर्षों का समग्र निवारक अनुरक्षण अनुबंध। **कार्य की अनुमानित लागत:** 3,25,09,080/- **बोली सुरक्षा राशि :** 3,12,600/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 10.03.2026 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 10.03.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 1119

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण) द्वितीय तल, एनेक्स भवन, डीआरएम कार्यालय, प्रतापनगर,पश्चिम रेलवे, वडोदरा – 390004 **निविदा सूचना संख्या: S&T/C/BRC/141/2025-26 दिनांक: 11.02.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम एवं स्थान:** डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, संशोधन, परीक्षण एवं कमीशनिंग का कार्य — हॉट स्टैंडबाय इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (Hitachi मेक) सिस्टम तथा आउटडोर सिग्नलिंग सिस्टम का कार्य, ट्रैक सर्किट कार्य के संबंध में सेवलिया स्टेशन पर, डब्ल्यूटीपीएस साइडिंग हेतु, उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण), वडोदरा, गुजरात (पश्चिम रेलवे) के अधीन। कार्य की **अनुमानित लागत**:3,86,77,172.84 **ईएमडी** :3,43,400.00 **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 09.03.2026, 15:00 बजे तक **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 09.03.2026, 15:30 बजे विस्तृत जानकारी हेतु आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 1116

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

फर्जी डिग्री मामले में पूर्व उप-प्रधानाचार्य आरोप मुक्त

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में मुंबई की एस्प्लेनेड कोर्ट ने एक विधि महाविद्यालय की पूर्व महिला उप-प्रधानाचार्य को वर्ष 2007 के कथित फर्जी बीए डिग्री मामले में आरोप मुक्त कर दिया है। अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो सके कि आरोपी ने दस्तावेज से छेड़छाड़ की थी। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एस्प्लेनेड कोर्ट) विनोद रामराव पाटिल ने 9 फरवरी को अपने आदेश में कहा कि आरोपी के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं।

क्या था मामला?

अभियोजन पक्ष के अनुसार, चित्रा सालुंखे ने सिद्धार्थ लॉ कॉलेज में एलएलबी और एलएलएम पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेते समय कला स्नातक (बीए) की कथित रूप से फर्जी डिग्री का उपयोग किया था। पुलिस का आरोप था कि वह बीए परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाईं थीं और इसी कारण उन्होंने जालसाजी और धोखाधड़ी की। इस मामले के बाद उन्हें कॉलेज के उप-प्रधानाचार्य पद से बर्खास्त कर दिया गया था।

अदालत की टिप्पणी

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जांच अधिकारी कथित जाली डिग्री प्रमाणपत्र को पेश करने या जब्त करने में विफल रहा। रिकॉर्ड में ऐसा कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष साक्ष्य नहीं है जिससे यह संकेत मिले कि आरोपी ने दस्तावेज तैयार किया या उसमें किसी प्रकार की हेराफेरी की। सालुंखे ने अपने वकील के माध्यम से अदालत में दावा किया कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं और उन्हें झूठे मामले में फंसाया गया है। अदालत के इस फैसले के बाद उन्हें मामले से राहत मिल गई है।

पुणे में आईसीयू बेड और वेंटिलेटर की भारी कमी

पुणे। पुणे शहर गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहा है। शहर के बड़े सरकारी और निजी अस्पतालों में आईसीयू बेड और वेंटिलेटर की अचानक कमी के कारण गंभीर मरीजों के परिजन अस्पतालों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। अस्पताल में तत्काल बेड न मिलने की वजह से कई मरीज एंबुलेंस में ही घंटों इंतजार कर रहे हैं। इससे उनकी स्थिति और बिगड़ने का खतरा बढ़ गया है। परिजन प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बदलते मौसम और संक्रामक बीमारियों में अचानक वृद्धि के कारण अस्पतालों में मरीजों की संख्या अचानक बढ़ गई है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि वे अपनी पूरी क्षमता से अधिक काम कर रहे हैं, लेकिन नए आईसीयू बेड और वेंटिलेटर की व्यवस्था करना फिलहाल बड़ी चुनौती है।नागरिकों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि 'रियल-टाइम बेड डैशबोर्ड' को फिर से शुरू किया जाए!

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका भिवंडी

बांधकाम विभाग

ई-निविदा सुचना क्र. १८१ सन २०२५-२६

खालील काम करण्यासाठी सक्षम व अनुभवी ठेकेदारांकडून ई-निविदा मागविण्यांत येत आहे.

अ.क्र	अंदाजित खर्च/निविदा फॉर्म फी/कामाचे स्वरुप	अंदाजपत्रकिय रक्कम	निविदा विक्री व स्विकारण्याची अंतिम दिनांक
१	भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका हद्दीतील मौजे दर्गाह रोड, कोतवाल शाह, मजार जवळ आसन व्यवस्था बनवून मिळणे (महाराष्ट्र सुवर्ण जयंती नगरोत्थान अभियान (जिल्हास्तर) योजना अंतर्गत)	९,९९,५३१/-	दिनांक :- १६/०२/२०२६ दिनांक :- २३/०२/२०२६
२	भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका हद्दीतील वार्ड क्र. २० येथे रोहिदास नगर येथे सभागृह बांधणे. (महाराष्ट्र सुवर्ण जयंती नगरोत्थान अभियान (जिल्हास्तर) योजना अंतर्गत)	१९,९९,८७७/-	

सदर निविदा बाबतची माहिती www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर दि.१६/०२/२०२६ ते दि.२३/०२/२०२६ रोजी पर्यंत उपलब्ध आहेत. ऑनलाईन निविदा संकेतस्थाळावर दि.२३/०२/२०२६ रोजी दु. ४.०० वाजे पर्यंत स्विकारण्यात येतील.

हस्ता./-
शहर अभियंता
भिवंडी नि. शहर महानगरपालिका भिवंडी

जा.क्र./ज.सं.वि./१२८
दि. १३/०२/२०२६

संपादकीय

टूटते संवाद और बिखरते भरोसे का दर्दनाक संकेत

हाल के दिनों में प्रेम संबंधों या निजी तनाव के कारण युवाओं द्वारा आत्महत्या की घटनाएं बढ़ती दिखाई दे रही हैं। ये खबरें केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होतीं, बल्कि समाज और परिवार के सामने खड़े गहरे सवालों का आईना भी होती हैं। आखिर ऐसा क्या हो रहा है कि जीवन की शुरुआत में खड़े युवा इतने निराश हो जाते हैं कि उन्हें आगे कोई रास्ता दिखाई नहीं देता? क्या यह केवल एक क्षणिक भावनात्मक आवेग है, या हमारे सामाजिक और पारिवारिक ढांचे में कहीं गहरी खामियां मौजूद हैं? यह प्रश्न इसलिए भी गंभीर है क्योंकि आत्महत्या केवल एक व्यक्ति का अंत नहीं करती, वह पूरे परिवार और समाज को लंबे समय तक अपराधबोध, पीड़ा और असहायता में धकेल देती है। वेलेंटाइन डे के दिन एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां दो प्रेमी युगलों ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यह घटना इस बात का प्रतीक है कि भावनात्मक संकट की स्थिति में कई युवा अपने सामने कोई विकल्प नहीं देख पाते। क्या प्रेम का अर्थ केवल किसी को हर हाल में पा लेना है? क्या किसी संबंध के टूटने या सामाजिक विरोध के कारण जीवन समाप्त कर देना समाधान हो सकता है? ऐसी घटनाएं यह दिखाती हैं कि कहीं न कहीं युवाओं के भीतर सहनशीलता, संवाद और मानसिक सहारे की गंभीर कमी है। और इसके लिए केवल युवा ही नहीं, उनके परिजन भी जिम्मेदार हैं, जो अपने बच्चों को असफलता या अस्वीकार को स्वीकार करना नहीं सिखा पाते। यदि घर में यह भरोसा मजबूत हो कि किसी भी परिस्थिति में जीवन सबसे अधिक मूल्यवान है, तो शायद ऐसे निर्णय लेने से पहले कोई हाथ थामने वाला मिल जाए। आत्महत्या का निर्णय सामान्यतः अचानक नहीं होता। इसके पीछे लंबे समय तक जमा होती निराशा, अकेलापन, असुरक्षा और संवादहीनता की परतें होती हैं। पर आज स्थिति और चिंताजनक है, क्योंकि कई बार मामूली प्रतीत होने वाली बातों पर भी युवा यह महसूस करने लगते हैं कि उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है। कुछ ही पलों में भावनाएं इतनी तीव्र हो जाती हैं कि विवेक पीछे छूट जाता है। भीतर ही भीतर टूटन शुरू होती है और उसका घातक परिणाम आत्महत्या के रूप में सामने आता है। यह प्रवृत्ति बताती है कि भावनात्मक सहनशीलता और मानसिक दृढ़ता के निर्माण में कहीं न कहीं गंभीर कमी रह गई है। परिवार, जो सुरक्षा और विश्वास का सबसे मजबूत आधार होना चाहिए, कई बार कठोर अपेक्षाओं, सामाजिक प्रतिष्ठा के दबाव और संवाद की कमी के कारण ऐसा स्थान बन जाता है, जहां युवा खुद को असहाय महसूस करता है। माता-पिता अक्सर बच्चों के भविष्य, करियर और सामाजिक छवि को लेकर इतने चिंतित रहते हैं कि वे उनकी भावनात्मक दुनिया को समझने का समय नहीं निकाल पाते। प्रेम संबंधों को लेकर कठोर निषेध, डर या अपमानजनक प्रतिक्रिया युवाओं को और अधिक अकेला कर देती है। जब घर में खुलकर बात करने का वातावरण नहीं होता, तो युवा अपने संकट को भीतर ही दबाए रखते हैं। समस्या का एक और पक्ष यह है कि समाज ने सफलता और संबंधों को लेकर अवास्तविक अपेक्षाएं गढ़ दी हैं। असफलता को अपमान समझा जाता है और संबंधों के टूटने को जीवन की पराजय। जबकि सच यह है कि जीवन में अस्वीकार, विफलता और संघर्ष स्वाभाविक हैं। यदि बचपन से ही बच्चों को यह सिखाया जाए कि हार जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया है, तो वे कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित निर्णय ले पाएंगे। आत्महत्या किसी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि अनेक अनुत्तरित प्रश्नों की शुरुआत है। यह जरूरी है कि परिवार संवाद को प्राथमिकता दें, बच्चों को बिना शर्त स्वीकार करने का भाव विकसित करें और मानसिक स्वास्थ्य को उतना ही महत्व दें जितना शारीरिक स्वास्थ्य को। विद्यालयों और महाविद्यालयों में परामर्श व्यवस्था मजबूत की जानी चाहिए।

शख्सियत | संत रविदास

समानता और भक्ति का संदेश

संत रविदास भक्ति आंदोलन के ऐसे महान संत थे, जिन्होंने समाज में व्याप्त ऊंच-नीच और छुआछूत के विरुद्ध प्रेम, समानता और मानवता का संदेश दिया। उनका जन्म लगभग 15वीं शताब्दी में काशी के पास सीर गोवर्धनपुर में एक साधारण परिवार में हुआ।

रविदास के माता-पिता चमड़े का काम करते थे, इसलिए समाज में उन्हें निम्न जाति का माना जाता था। परंतु संत रविदास ने जन्म और जाति को मनुष्य की पहचान मानने से इनकार किया। वे मानते थे कि मनुष्य की असली पहचान उसके कर्म, विचार और भक्ति से होती है। बचपन से ही उनका मन आध्यात्मिकता में रमता था। वे संतों की संगति में रहते और ईश्वर के नाम का स्मरण करते थे। पारिवारिक पेशा होने के कारण उन्होंने जूते बनाने का काम किया, लेकिन इसे उन्होंने कभी हीन नहीं समझा। वे काम करते हुए भी भजन-कीर्तन में लीन रहते थे और लोगों को सच्चे धर्म का मार्ग दिखाते थे। उनका समय सामाजिक विषमताओं से भरा हुआ था। उस दौर में जाति-पांति के आधार पर लोगों को अपमानित किया जाता था और मंदिरों में प्रवेश तक की अनुमति नहीं दी जाती थी। संत रविदास ने इस व्यवस्था का खुलकर विरोध किया। उन्होंने कहा कि ईश्वर सबका है और वह किसी एक जाति या वर्ग तक सीमित नहीं है। उनके प्रसिद्ध पद "मन चंगा तो कठौती में गंगा" में यही विचार झलकता है कि यदि मन शुद्ध है तो ईश्वर हर जगह मिल सकता है। इसके लिए बाहरी आडंबर और दिखावे की आवश्यकता नहीं है। उनकी वाणी सरल और जनभाषा में थी, जिससे आम लोग भी उनके संदेश को आसानी से समझ सके। यही कारण है कि उनकी शिक्षाएं समाज के हर वर्ग तक पहुंचीं और लोगों ने उन्हें अपना मार्गदर्शक माना।

संत रविदास की ख्याति दूर-दूर तक फैल गई। विभिन्न वर्गों के लोग उनके शिष्य बने। मेवाड़ की प्रसिद्ध संत-कवयित्री मीराबाई भी उन्हें अपना गुरु मानती थीं। कहा जाता है कि मीराबाई ने उनके मार्गदर्शन में भक्ति का सच्चा अर्थ समझा और जीवन भर कृष्ण भक्ति में लीन रहीं। संत रविदास ने अपने पदों में एक ऐसे आदर्श समाज की कल्पना की, जहां कोई भेदभाव न हो और सभी लोग समान अधिकारों के साथ जीवन जी सकें। उन्होंने "बेगमपुरा" नामक ऐसे नगर का वर्णन किया, जहां न कोई दुख हो, न कर का बोझ, न ऊंच-नीच का भेद। यह विचार उस समय के समाज के लिए एक क्रांतिकारी सोच थी और आज भी सामाजिक न्याय और समानता का प्रेरक संदेश देता है। संत रविदास की वाणी का प्रभाव इतना गहरा था कि उनकी रचनाएं आज भी श्रद्धा से गाई जाती हैं। उनकी वाणी का एक हिस्सा गुरुग्रंथ साहिब में भी संकलित है, जिससे स्पष्ट होता है कि उनकी शिक्षाओं ने धर्म और समाज की सीमाओं को पार कर मानवता का व्यापक संदेश दिया। उनका जीवन सादगी, सेवा और भक्ति का आदर्श उदाहरण है। उन्होंने अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि सच्चा धर्म प्रेम, समानता और करुणा में है। संत रविदास का जीवन आज भी समाज को यह प्रेरणा देता है कि भेदभाव और अन्याय से ऊपर उठकर मानवता के मार्ग पर चलना ही सच्ची भक्ति है।

बढ़ती गर्मी, बढ़ते खतरे

स्वास्थ्य तंत्र की चेतावनी और समाज की जिम्मेदारी

डॉ बबलू सोनकर
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेजा
प्रयागराज

अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के इलाज की पर्याप्त तैयारी होनी चाहिए। श्रमिकों के कार्य समय में बदलाव और सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करना भी जरूरी है। स्पष्ट है कि बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चुनौती है। यदि समय रहते ठोस नीतिगत कदम, जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और गहरा सकता है। सतर्कता, वैज्ञानिक योजना और सामूहिक जिम्मेदारी ही इस बढ़ते खतरे का प्रभावी उत्तर हो सकती है।

सर्दी के जाते ही देश के अधिकांश हिस्सों में तापमान तेजी से बढ़ने लगता है, और इसके साथ ही गर्मी से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। पिछले एक दशक के रुझान स्पष्ट संकेत देते हैं कि यह समस्या केवल मौसमी असुविधा नहीं, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुकी है। हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन, गैस्ट्रोएन्टराइटिस, फूड पॉइजनिंग, त्वचा संक्रमण और मच्छरजनित रोग हर वर्ष बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करते हैं। बदलती जलवायु परिस्थितियां, लगातार बढ़ते शहरी तापमान और जीवनशैली में आए बदलाव ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। पिछले दस वर्षों के उपलब्ध सरकारी और स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों से पता चलता है कि हर वर्ष हजारों लोग हीट स्ट्रोक से प्रभावित होते हैं और सैकड़ों लोगों की मृत्यु तक हो जाती है। वर्ष 2015 से 2024 के बीच कई बार भीषण लू के कारण बड़े पैमाने पर जनहानि दर्ज की गई। हाल के वर्षों में हीट स्ट्रोक के मामलों की संख्या कई राज्यों में हजारों तक पहुंची, जबकि मृत्यु के मामलों में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। दीर्घकालिक विश्लेषण से यह भी सामने आया है कि बीते दो दशकों की तुलना में हाल के वर्षों में गर्मी से होने वाली मौतों में पचास प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। यह संकेत है कि तापमान में लगातार बढ़ोतरी और लंबे समय तक चलने वाली लू की घटनाएं स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन रही हैं। गर्मी के मौसम में सबसे सामान्य बीमारी हीट एक्सॉशन और हीट स्ट्रोक होती है। जब शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो जाता है और पसीने के माध्यम से शरीर खुद को ठंडा नहीं कर पाता, तब यह स्थिति जानलेवा बन सकती है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, चक्कर, उलझन, बेहोशी और तेज धड़कन शामिल हैं। समय पर उपचार न मिलने पर यह मृत्यु का कारण बन सकता है। इसके अतिरिक्त डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी भी गंभीर समस्या है, जिससे कमजोरी, सिरदर्द और रक्तचाप में गिरावट हो सकती है। गर्मी बढ़ते ही जलजनित और

खाद्यजनित रोगों में भी वृद्धि होती है। दूषित पानी और खराब भोजन के कारण डायरिया, उल्टी-दस्त और टायफाइड के मामले तेजी से बढ़ते हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था कमजोर है, वहां यह समस्या अधिक गंभीर हो जाती है। वहीं पसीने और नमी के कारण त्वचा रोग, फंगल संक्रमण और घमौरियां आम हो जाती हैं। शहरी क्षेत्रों में जलभराव और गंदगी मच्छरों के प्रजनन को बढ़ावा देती है, जिससे डेंगू और चिकनगुनिया जैसे रोगों का खतरा बढ़ जाता है। विश्लेषण यह दर्शाता है कि गर्मी से होने वाली बीमारियों का सबसे अधिक प्रभाव गरीब और श्रमिक वर्ग पर पड़ता है। निर्माण कार्य, खेतों और फैक्ट्रियों में खुले वातावरण में काम करने वाले लोग अत्यधिक जोखिम में रहते हैं। बुजुर्ग, छोटे बच्चे और गर्भवती महिलाएं भी संवेदनशील श्रेणी में आती हैं। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट के बढ़ते ढांचे और हरित क्षेत्रों की कमी के कारण 'हीट आइलैंड प्रभाव' पैदा होता है, जिससे तापमान और अधिक बढ़ जाता है। यह स्थिति केवल जलवायु परिवर्तन का परिणाम नहीं, बल्कि अव्यवस्थित शहरी नियोजन का भी दुष्परिणाम है। समाधान केवल व्यक्तिगत सावधानी तक सीमित नहीं होना चाहिए। लोगों को पर्याप्त पानी पीना, हल्के और सूती कपड़े पहनना, दोपहर की तेज धूप से बचना और ताजा भोजन करना चाहिए। लेकिन इसके साथ ही प्रशासन को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। शहरों में सार्वजनिक पेयजल की व्यवस्था, छायादार स्थान, कूलिंग सेंटर और प्रभावी हीट एक्शन प्लान लागू करना अनिवार्य है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के इलाज की पर्याप्त तैयारी होनी चाहिए। श्रमिकों के कार्य समय में बदलाव और सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करना भी जरूरी है। स्पष्ट है कि बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चुनौती है। यदि समय रहते ठोस नीतिगत कदम, जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और गहरा सकता है। सतर्कता, वैज्ञानिक योजना और सामूहिक जिम्मेदारी ही इस बढ़ते खतरे का प्रभावी उत्तर हो सकती है।

हमारी गीता

दुर्योधन की विकृति

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

परमपूज्य गुरुदेव कहा करते हैं, "दूसरों के फेंके हुए पत्थरों से जो पुल बनाता है, वही महान होता है।" इसी दृष्टि से गीता के दूत संजय का व्यक्तित्व अत्यंत प्रेरक दिखाई देता है। प्रश्न चाहे अज्ञान से पूछा गया हो या धूर्तता से, संजय ने उसे सही दिशा में समझाया। जब धृतराष्ट्र ने पूछा कि मेरे पुत्रों और पांडवों ने क्या किया, तो संजय ने आरंभ में ही कुछ वाक्यों में दुर्योधन की मानसिक स्थिति और उसके व्यवहार का चित्र खींच दिया। इन शब्दों से दुर्योधन का स्वभाव, उसकी असुर प्रवृत्ति और भीतर की घबराहट स्पष्ट दिखाई देती है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के सोलहवें अध्याय में असुरी गुणों का वर्णन किया है, पर दुर्योधन के व्यवहार में ये गुण पहले ही दिखाई देने लगते हैं। कौरवों की ओर अधर्म और अन्याय का पक्ष था, इसलिए सत्य की विजय का विचार ही दुर्योधन के मन में भय पैदा कर रहा था। उसके शब्दों में आत्मकेंद्रितता, स्वार्थ और दुराभिमान झलकता है। वह बाहरी रूप से शक्तिशाली दिखना चाहता था, पर भीतर से आशंकित और विचलित था। जब उसने पांडवों की सुसंगठित सेना को व्यूह में खड़ा देखा, तो उसका आत्मविश्वास डगमगाने लगा। जैसे कोई डरा हुआ बालक माता-पिता का सहारा ढूंढता है, वैसे ही वह अपने गुरु द्रोणाचार्य के पास गया। परंतु उसके मन का भय उसके व्यवहार में स्पष्ट दिखाई देता है। उद्देश्य जब अशुद्ध और अन्यायपूर्ण होता है, तब चाहे कितनी ही तैयारी क्यों न हो, मन में शंका और बेचैनी बनी रहती है। इतिहास में भी अनेक अत्याचारी शासकों की यही स्थिति रही है। दुर्योधन गुरु के पास तो गया, पर शिष्य की विनम्रता के साथ नहीं, बल्कि राजा की तरह आदेश देने के भाव से बोला। उसने आदरपूर्वक संबोधन करने के बजाय "पश्य" कहकर जैसे आदेश दिया—"देखिए पांडुपुत्रों की सेना।" उसने धर्मराज या अर्जुन का नाम भी नहीं लिया, बल्कि तिरस्कार भरे स्वर में "पांडुपुत्रों की सेना" कहा। यह उसके भीतर के तनाव, भय और अहंकार का स्पष्ट संकेत था। इस प्रसंग से यह सीख मिलती है कि अन्याय के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति बाहर से चाहे कितना ही शक्तिशाली क्यों न दिखे, भीतर से वह हमेशा भय और अस्थिरता से घिरा रहता है।

जीवन ऊर्जा

महेरशला अली : जन्म 16 फरवरी 1974 | जन्म

दूसरों की सफलता से प्रेरणा लो, ईर्ष्या नहीं

महेरशला अली का जन्म 16 फरवरी 1974 को ओकलैंड, कैलिफोर्निया (अमेरिका) में हुआ। वे एक प्रसिद्ध अभिनेता हैं, जिन्होंने फिल्मों मूनलाइट और ग्रीन बुक के लिए दो ऑस्कर पुरस्कार प्राप्त किए। वे अपनी संवेदनशील अभिनय शैली और सामाजिक मुद्दों पर सजग दृष्टिकोण के लिए भी जाने जाते हैं। वे वर्तमान में जीवित हैं और अभिनय क्षेत्र में सक्रिय हैं।

मेहनत हमेशा प्रतिभा से आगे निकल जाती है, अगर प्रतिभा मेहनत न करे। अपने काम को ईमानदारी से करना ही असली पहचान बनाता है। सफलता का रास्ता धैर्य और निरंतर प्रयास से गुजरता है। हर किरदार मुझे कुछ नया सिखाता है और इंसान को समझने में मदद करता है। सम्मान पाने से पहले खुद को सम्मान देना सीखो। जीवन में विनम्रता सबसे बड़ी ताकत होती है। कला का उद्देश्य लोगों के दिलों को जोड़ना है। सच्चाई से किया गया काम हमेशा चमकता है। अपने डर का सामना करो, वही तुम्हें आगे बढ़ाएगा। जो काम दिल से होता है, वही सबसे असरदार होता है। हर इंसान की कहानी सुनने लायक होती है। सफलता मिलने पर भी जमीन से जुड़े रहना जरूरी है। जीवन में संतुलन बनाए रखना ही असली उपलब्धि है। अभिनय मेरे लिए केवल पेशा नहीं, आत्मा की अभिव्यक्ति है। गलतियों से सीखना ही विकास का रास्ता है। अपने मूल्यों से समझौता करके मिली सफलता टिकती नहीं। कला समाज का आईना होती है। जब तक सीखते रहोगे, तब तक आगे बढ़ते रहोगे। सादगी में भी महानता छिपी होती है। लोगों को समझना, अभिनय का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। अपने सपनों को छोटा मत समझो। संघर्ष ही चरित्र को मजबूत बनाता है। हर दिन खुद को बेहतर बनाने का अवसर होता है। दूसरों की सफलता से प्रेरणा लो, ईर्ष्या नहीं। जो तुम्हें सही लगे, वही रास्ता चुनो। काम के प्रति लगन ही पहचान बनाती है। सम्मान कमाया जाता है, दिया नहीं जाता। जीवन में शांति सबसे बड़ी संपत्ति है। अपने परिवार और मूल्यों को कभी मत भूलो। सच्चा कलाकार वही है जो दिल से जुड़ा रहे। हर अनुभव तुम्हें नया इंसान बनाता है। समय का सही उपयोग ही सफलता की कुंजी है। आत्मविश्वास ही सबसे बड़ा सहारा है। दूसरों के प्रति संवेदनशीलता इंसान को महान बनाती है। असली जीत वही है, जब तुम अपने आप से संतुष्ट हो।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

वर्तमान का भरोसा

एक छोटे से गांव में एक आदमी रहता था, जो हर बात को लेकर चिंतित रहता था। उसे अपने परिवार की चिंता थी, काम की चिंता थी, स्वास्थ्य की चिंता थी, और यहां तक कि उन बातों की भी चिंता थी जो अभी हुई ही नहीं थीं। उसके मन में आशंकाओं का ऐसा जाल बिछा था कि वह वर्तमान की छोटी-छोटी खुशियां भी महसूस नहीं कर पाता था। उसकी लगातार चिंता ने उसके जीवन की सहजता छीन ली थी। वह बाहर से सामान्य दिखता था, पर भीतर ही भीतर भय और असुरक्षा से घिरा रहता था। एक दिन उसने गांव के बाहरी हिस्से में रहने वाले एक बुद्धिमान वृद्ध से मिलने का निश्चय किया। वह वृद्ध अपनी गहरी समझ और शांत स्वभाव के लिए जाने जाते थे। चिंतित व्यक्ति ने उनके सामने बैठकर अपने मन का सारा बोझ उतार दिया। उसने अपने डर, असफलताओं की आशंका और भविष्य की अनिश्चितताओं के बारे में विस्तार से बताया। वृद्ध ने बिना टोके, पूरे धैर्य के साथ उसकी बातें सुनीं। फिर शांत स्वर में बोले, "आओ, थोड़ी देर साथ चलते हैं।" दोनों पास के जंगल की ओर निकल पड़े। वहां पहुंचकर वृद्ध ने एक विशाल वृक्ष की ओर इशारा किया और पूछा, "क्या तुम इस पेड़ को देख रहे हो?" आदमी ने सिर हिलाया। वृद्ध बोले, "यह पेड़ वर्षों से यहां खड़ा है। इसने आंधियां देखी हैं, तपती गर्मी सही है, मूसलाधार वर्षा झेली है। फिर भी यह मजबूती से खड़ा है। जानते हो क्यों? क्योंकि यह वर्तमान में जीता है। इसे न बीते तूफानों की चिंता है, न आने वाली आंधियों का भय। यह बस अपने अस्तित्व में स्थिर है।" थोड़ी दूर चलकर वे एक छोटी नदी के किनारे पहुंचे। पानी शांत था और पत्थरों के ऊपर से धीरे-धीरे बह रहा था। वृद्ध ने कहा, "यह नदी सागर तक पहुंचने की चिंता नहीं करती। यह बस बहती रहती है। रास्ते में चट्टानें आती हैं, मोड़ आते हैं, फिर भी यह रुकती नहीं। इसे विश्वास है कि यह अपना मार्ग स्वयं बना लेगी। चिंता मत करो, जीवन भी इसी नदी की तरह है।" फिर वृद्ध ने उस व्यक्ति की ओर देख कर कहा, "चिंता मन का तूफान है। यह अतीत की यादों और भविष्य के डर से जन्म लेती है। जब तुम वर्तमान में टिक जाते हो, तो यह तूफान शांत हो जाता है। पेड़ की तरह स्थिर रहो, नदी की तरह बहते रहो। जीवन के स्वाभाविक क्रम पर भरोसा रखो।" वृद्ध के शब्द साधारण थे, पर उनमें गहरी सच्चाई छिपी थी। उस व्यक्ति ने पहली बार महसूस किया कि उसकी अधिकतर चिंताएं कल्पना से उपजी थीं। वे या तो बीती घटनाओं पर पछतावे से जुड़ी थीं या भविष्य की अनिश्चितताओं से। वर्तमान क्षण तो शांत था, सुंदर था, और पूर्ण था। उसने उसी दिन से सचेत प्रयास शुरू किया कि वह हर दिन को जैसे है वैसे ही स्वीकार करे। धीरे-धीरे उसके भीतर परिवर्तन आने लगा। जब भी चिंता सिर उठाती, वह पेड़ और नदी को याद करता। वह खुद से कहता कि अभी इस क्षण में सब ठीक है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

राजनीतिक स्थिरता और नीति की स्पष्टता से निवेशकों का भरोसा भारत में बढ़ा है। इसी कारण भारत अब मजबूत स्थिति में व्यापार समझौते कर रहा है। उन्होंने बताया कि देश ने 38 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत मैन्युफैक्चरिंग, सेवाओं का क्षेत्र और एमएसएमई सेक्टर ने भारत को वैश्विक व्यापार वार्ताओं में ताकत दी है।

\- नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

एसआईआर प्रक्रिया के जरिए नागरिकता अधिकार छीनने की कोशिश हो रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जब भी यह प्रक्रिया शुरू हो, तो अपने नाम सही तरीके से मतदाता सूची में दर्ज कराएं। उन्होंने यह बयान पार्टी के 68वें पुनरुत्थान दिवस कार्यक्रम के दौरान दिया।

-असदुद्दीन ओवैसी
एआईएमआईएम प्रमुख

कांग्रेस और उनकी लीडरशिप झूठ बोलकर जनता को गुमराह करते हैं. कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी देश की संसद में किसानों की बात करते हैं. आपने किसानों का कितना अनाज यूपीए के 10 साल में खरीदा? हमने आपसे 15 गुना ज्यादा अनाज एमएसपी पर खरीदा है.

-अमित शाह
केंद्रीय गृहमंत्री

असम में एक ELF पहले ही खुल चुका है और चार-पांच और बनाने की संभावना है। गौरतलब है कि शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी ने डिब्रूगढ़ जिले के मोरान में C-130J विमान से इस हवाई पट्टी पर ऐतिहासिक लैंडिंग की थी।

-हिमंता बिस्वा सरमा
मुख्यमंत्री, असम

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

रत्नागिरी में पार्टी विरोधी कार्यों के चलते भाजपा ने चार पदाधिकारियों को किया निष्काषित

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने रविवार को पार्टी विरोधी काम करने वाले चार पदाधिकारियों को पार्टी से निकाल दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के रत्नागिरी जिला अध्यक्ष सतीश मोरे ने बताया कि चिपलुन नगर परिषद चुनाव में चिपलून की पूर्व मेयर सुरेखा खेराड़े, पूर्व शहर अध्यक्ष श्रीराम शिंदे, सुधीर सुधाकर पनकर और शहर प्रमुख परिमल भोसले ने पार्टी उम्मीदवार के विरुद्ध काम किया था। इसकी रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण को दी गई थी। इसी रिपोर्ट के आधार पर रविंद्र चव्हाण ने इन चारों पदाधिकारियों को पार्टी से निकालने का आदेश दिया। इसके बाद इन सभी को पार्टी से निकाल दिया गया है। उन्होंने साफ कहा है कि पहले पार्टी के लोगों को कार्यकर्ता बनना सीखना चाहिए, नेता पार्टी के वरिष्ठ तय करेंगे। साथ ही पार्टी में किसी भी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गोदातट पर चार दिवसीय विश्व मराठी सम्मेलन

नासिक। गोदातट की पावन भूमि पर 26 फरवरी से 1 मार्च तक चार दिवसीय विश्व मराठी सम्मेलन का भव्य आयोजन होगा। सम्मेलन के मुख्य कार्यक्रम 27, 28 फरवरी और 1 मार्च को मराठा विद्या प्रसारक मंडल के महाविद्यालय परिसर में होंगे। 27 फरवरी को शाम 5 बजे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार भी प्रमुख रूप से कार्यक्रम में शामिल होंगी। यह जानकारी उद्योग एवं मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत ने पत्रकार परिषद में दी। सम्मेलन कार्यालय का उद्घाटन भी इसी अवसर पर किया गया। सम्मेलन के मुख्य सत्र तीन दिन चलेंगे, लेकिन 26 फरवरी से विभिन्न मराठी बोलियों का प्रस्तुतीकरण और रात में चर्चित नाटक 'आमने-सामने' का मंचन होगा। 27 फरवरी की सुबह प्रख्यात साहित्यकार कुसुमाग्रज (वि. वा. शिरवाडकर) के निवास से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शाम को मुख्यमंत्री फडणवीस द्वारा उद्घाटन समारोह संपन्न होगा। इस अवसर पर साहित्य भूषण, कलारत्न और नवप्रारंभित विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। रात में सुप्रसिद्ध गायक राहुल देशपांडे का संगीतमय कार्यक्रम कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेगा। 28 फरवरीः 'मनाचे श्लोक' का सामूहिक वाचन, लोककलाओं की प्रस्तुतियां, परिसंवाद, AI तकनीक और मराठी भाषा पर विशेष सत्र, योग प्रशिक्षण और वारकरी संप्रदाय के कार्यक्रम। 1 मार्चः लोककला कार्यक्रम, मराठी ग़ज़ल कट्टा, चित्रकारों, लेखकों और निर्देशकों के संवाद सत्र।

टीपू-शिवाजी विवाद पर कांग्रेस में मतभेद नाना पटोले ने सपकाल से बनाई दूरी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में टीपू सुल्तान और छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना को लेकर उठे विवाद के बीच कांग्रेस के भीतर मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष Nana Patole ने मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष Harshvardhan Sapkal के बयान से खुद को अलग करते हुए कहा कि शिवाजी महाराज की तुलना किसी भी अन्य शासक से नहीं की जा सकती। पटोले ने कहा कि उन्होंने सपकाल का पूरा बयान नहीं सुना है, लेकिन Chhatrapati Shivaji Maharaj केवल देश ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर महान माने जाते हैं और उनकी तुलना किसी से नहीं हो सकती।

पहले झिरवल, अब टीपू सुल्तान पर मतभेद

पार्टी के भीतर यह दूसरा मामला है, जहां वरिष्ठ नेताओं के बीच सार्वजनिक मतभेद सामने आए हैं। इससे पहले कैबिनेट मंत्री नरहरी झिरवल के मंत्रालय में कथित रिश्वतखोरी के आरोपों को लेकर भी दोनों नेताओं के रुख अलग-अलग थे। टीपू सुल्तान पर टिप्पणी के बाद भाजपा, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और अन्य संगठनों ने सपकाल के बयान का विरोध किया है। हालांकि सपकाल अपने बयान पर कायम हैं।

कांग्रेस की साख पर सवाल

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लगातार सार्वजनिक मतभेदों से कांग्रेस की छवि प्रभावित हो रही है। टीपू सुल्तान और शिवाजी महाराज की तुलना को लेकर उठा यह विवाद महाराष्ट्र की राजनीति में अभी और तूल पकड़ सकता है।

भाजपा पर सपकाल का पलटवार

सपकाल ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री Devendra Fadnavis और भाजपा उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अन्य ज्वलंत मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए इस विषय को उछाला जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि शिवाजी महाराज उनके आराध्य हैं और उन्हें इस विषय पर किसी से सीखने की आवश्यकता नहीं है।

सचिन सावंत का समर्थन

कांग्रेस प्रवक्ता Sachin Sawant ने सपकाल का समर्थन करते हुए भाजपा पर 'दोहरे मापदंड' अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व में भाजपा नेताओं ने भी Tipu Sultan की प्रशंसा की थी। सावंत ने उदाहरण देते हुए कहा कि अकोला और मुंबई में पूर्व में टीपू सुल्तान के नाम पर प्रस्ताव लाए गए थे।

नासिक के लेखानगर में दो गुटों के बीच जमकर मारपीट, पुलिस जांच में जुटी

डीबीडी संवाददाता | नासिक

शहर के इंदिरानगर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लेखानगर इलाके में शनिवार देर रात दो गुटों के बीच सड़क पर जमकर मारपीट होने की घटना सामने आई है। इस झड़प का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों में भय और चिंता का माहौल है।

मामूली विवाद ने लिया हिंसक रूप

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, शनिवार रात अचानक दो गुट आमने-सामने आ गए। मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते हिंसक झड़प का रूप ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच सड़क पर धक्का-मुक्की और मारपीट हुई।

पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल

घटना के संबंध में जब इंदिरानगर पुलिस थाने से संपर्क किया गया, तो पुलिस ने बताया कि अब तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। वीडियो वायरल होने के बावजूद आधिकारिक शिकायत न मिलने से पुलिस की तत्काल कार्रवाई को लेकर स्थानीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं।

वायरल वीडियो के आधार पर जांच

पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो के आधार पर जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, विवाद की मुख्य वजह क्या थी और वीडियो में दिखाई दे रहे लोग कौन हैं, इसकी पहचान की जा रही है।

उद्धव ठाकरे के बेटे तेजस की तबीयत बिगड़ी, रिलायंस हॉस्पिटल में भर्ती

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

उद्धव ठाकरे के छोटे बेटे तेजस ठाकरे की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मुंबई के रिलायंस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। मेडिकल सूत्रों के अनुसार शुरुआती जांच के बाद उनकी हालत स्थिर है और स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि पिछले तीन दिनों से उनका इलाज चल रहा था। हालांकि किस बीमारी के कारण उन्हें भर्ती किया गया है, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि उद्धव ठाकरे और उनकी पत्नी रश्मी ठाकरे अस्पताल में मौजूद हैं और तेजस की सेहत पर नजर बनाए हुए हैं।

हालत स्थिर, डॉक्टरों की निगरानी में इलाज

बुधवार को तबीयत बिगड़ने के बाद तेजस ठाकरे को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। परिवार की ओर से अभी कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

कौन हैं तेजस ठाकरे?

तेजस ठाकरे, उद्धव ठाकरे के छोटे बेटे हैं। उन्हें विभिन्न राजनीतिक कार्यक्रमों और चुनाव प्रचार में देखा गया है, हालांकि उन्होंने औपचारिक रूप से सक्रिय राजनीति में प्रवेश नहीं किया है। तेजस पेशे से वन्यजीव शोधकर्ता और फोटोग्राफर हैं। वन्यजीव अनुसंधान में उनकी रुचि और योगदान के लिए वे जाने जाते हैं। तमिलनाडु में खोजी गई छिपकली की एक नई प्रजाति का नाम उनके सम्मान में रखा गया था। उन्हें 'टीटी' के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष 2012 में अंबोली क्षेत्र में सरीसृपों और उभयचरों की खोज के दौरान वे शोध अभियानों से जुड़े। वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता के क्षेत्र में उनकी सक्रिय भागीदारी रही है।

अलीबाग जमीन विवाद पर सियासत तेज राहुल नार्वेकर का संजय राउत को जवाब

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर और संजय राउत के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। अलीबाग के म्हात्रोली गांव में जमीन पैमाइश के दौरान हुए कथित विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। राउत ने वीडियो साझा करते हुए नार्वेकर के इस्तीफे की मांग की, जिस पर पलटवार करते हुए नार्वेकर ने कहा कि 'जेल जा चुके लोग उपदेश न दें।'

वायरल वीडियो में झड़प

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कथित रूप से देखा जा सकता है कि विवाद इतना बढ़ गया कि नार्वेकर के साथ आए एक व्यक्ति के साथ हाथापाई हुई। स्थिति बिगड़ती देख विधानसभा अध्यक्ष वहां से निकल गए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल नार्वेकर ने कहा कि उन्हें बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने संजय राउत पर निशाना साधते हुए कहा कि जो व्यक्ति स्वयं जमीन घोटाले के मामले में जेल जा चुका है, वह दूसरों को नैतिकता का पाठ न पढ़ाए।

जमीन पैमाइश को लेकर विवाद

मामला अलीबाग के म्हात्रोली गांव का है, जहां राहुल नार्वेकर कथित तौर पर सेजल शाह नामक महिला से लगभग ढाई एकड़ जमीन खरीदने की प्रक्रिया में थे। शुक्रवार को पैमाइश के दौरान विवाद खड़ा हो गया। पड़ोसी जमीन मालिक रमेश पाटील ने आरोप लगाया कि नियमानुसार उन्हें कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई। उनका कहना है कि बिना नोटिस जमीन की माप की जा रही थी, जिसका परिवार ने विरोध किया।

विपक्ष ने उठाए सवाल

विपक्षी दलों ने इस घटना को संवैधानिक पद की गरिमा से जोड़ते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। संजय राउत का कहना है कि यदि पूरे मामले की सच्चाई सामने आई तो विधानसभा अध्यक्ष को पद छोड़ना पड़ेगा। विपक्ष का आरोप है कि बिना नोटिस जमीन की माप करना नियमों का उल्लंघन है और इसकी जांच होनी चाहिए। दूसरी ओर, नार्वेकर ने स्पष्ट किया है कि उनका इस झड़प से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है और विपक्ष राजनीतिक लाभ के लिए मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है।

सोलापुर डिवीजन से स्पेशल ट्रेनें जारी

होली और गर्मी की छुट्टियों में बढ़ी सर्विस, जुलाई तक चलेगी सुविधा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

होली और गर्मी की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए सोलापुर डिवीजन से होकर चलने वाली स्पेशल ट्रेनों की सेवा आगे भी जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

वीकली स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ी

ट्रेन नंबर 01435 सोलापुर–लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई वीकली स्पेशल, जो 24 फरवरी 2026 तक चलनी थी, अब हर मंगलवार को 14 जुलाई 2026 तक चलेगी। ट्रेन नंबर 01436 लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई–सोलापुर वीकली स्पेशल, जो 25 फरवरी 2026 तक निर्धारित थी, अब हर बुधवार को 15 जुलाई 2026 तक चलेगी। ट्रेन नंबर 01477 सोलापुर–अनकापल्ले वीकली स्पेशल, जो 27 फरवरी 2026 तक नोटिफाई थी, अब हर शुक्रवार को 10 जुलाई 2026 तक संचालित होगी। ट्रेन नंबर 01478 अनकापल्ले–सोलापुर वीकली स्पेशल अब हर शनिवार को 11 जुलाई 2026 तक चलेगी।

डेली स्पेशल ट्रेनें भी 15 जुलाई तक

28 फरवरी 2026 तक चलने के लिए अधिसूचित डेली स्पेशल ट्रेनें अब 15 जुलाई 2026 तक जारी रहेंगी:

01461/01462 सोलापुर–दौंड अनरिज़र्व्ड डेली स्पेशल। 01465/01466 सोलापुर–कलबुर्गी अनरिज़र्व्ड डेली स्पेशल।

01487/01488 हड़पसर–हरंगुल अनरिज़र्व्ड डेली स्पेशल। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इन ट्रेनों के समय, संरचना और ठहराव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जारी ट्रिप के लिए स्पेशल चार्ज पर सभी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर बुकिंग उपलब्ध रहेगी।

हिंद-दी-चादर' समागम: कोंकण के 22 लाख से अधिक विद्यार्थी जुड़े, 1,765 स्वास्थ्य शिविर आयोजित

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत के उपलक्ष्य में आयोजित 'हिंद-दी-चादर' समागम को लेकर कोंकण क्षेत्र में व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। शिक्षा विभाग के अनुसार 10 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक चल रहे कार्यक्रमों में ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के 15,972 शैक्षणिक संस्थानों ने भाग लिया है। अब तक 22,38,990 विद्यार्थियों की सहभागिता दर्ज की गई है। शिक्षा विभाग ने बताया कि जिला परिषद और अनुदानित विद्यालयों, निजी स्कूलों, महाविद्यालयों, आश्रम व आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में निबंध, वक्तृत्व, चित्रकला, व्याख्यान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को 'हिंद-दी-चादर' के ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व से अवगत कराया जा रहा है।

1,765 स्वास्थ्य शिविरों से 65 हजार से अधिक लाभान्वित

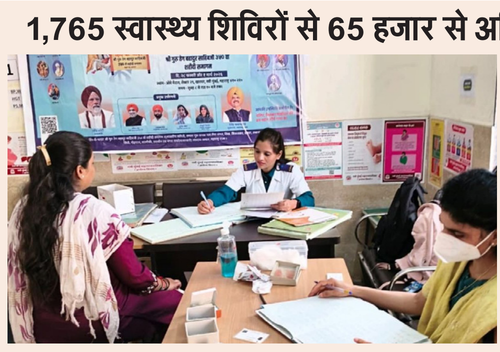

समागम के साथ सामाजिक पहल को जोड़ते हुए अब तक 1,765 विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए हैं। इन शिविरों के माध्यम से 65,096 लोगों को स्वास्थ्य जांच और उपचार की सुविधा मिली है। जिलावार आंकड़ों के अनुसार :रत्नागिरी : 532 शिविर,ठाणे : 457 शिविर,रायगढ़ : 423 शिविर,पालघर : 240 शिविर,सिंधुदुर्ग : 113 शिविर इन शिविरों में हजारों नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। 28 फरवरी और 1 मार्च को समागम स्थल पर भी बड़े पैमाने पर चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे। आयोजकों के अनुसार, यह समागम राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और जनसेवा के संदेश को घर-घर पहुंचाने का प्रयास है।

जिलावार सहभागिता

ठाणे: 4,777 संस्थान, 11,59,194 विद्यार्थी
पालघर: 3,064 संस्थान, 3,91,664 विद्यार्थी
रायगढ़: 3,628 संस्थान, 5,34,628 विद्यार्थी
रत्नागिरी: 2,871 संस्थान, 1,42,299 विद्यार्थी
सिंधुदुर्ग: 1,632 संस्थान, 11,205 विद्यार्थी

महाराष्ट्र–पंजाब का सांस्कृतिक संबंध

राज्य स्तरीय समागम समिति के समन्वयक रामेश्वर नाईक ने कहा कि संतों की भूमि महाराष्ट्र और पंजाब के बीच धार्मिक व सांस्कृतिक रूप से गहरा नाता रहा है। उन्होंने बताया कि नांदेड़ और नागपुर के बाद अब नवी मुंबई में 28 फरवरी और 1 मार्च को ऐतिहासिक समागम आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश से लगभग 15 लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। किसी प्रभावशाली वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। प्रसन्नता रहेगी।

वृष पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे।

मिथुन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेवजह चिड़चिड़ापन रह सकता है। धनागम होगा। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यापार ठीक चलेगा।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यापार ठीक चलेगा। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

सिंह प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। निवेशादि लाभदायक रहेंगे। दुष्टजनों से सावधान रहें। हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है।

तुला प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक मित्र व संबंधी अतिथियों के रूप में घर आ सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

धनु घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। दौड़धूप होगी। विवाद से क्लेश होगा। किसी व्यक्ति के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। धनहानि की आशंका बनती है।

मकर किसी व्यक्ति के व्यवहार से लगेगा कि अपमान हुआ है। नई योजना बनेगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन पर विचार हो सकता है। व्यापार ठीक चलेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। आंखों को चोट व रोग से बचाएं। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कुंभ ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। भाइयों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा।

मीन वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। नकारात्मकता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दूसरों पर भरोसा न करें। आशंका-कुशंका के चलते कोई बड़ी गलती हो सकती है।

ग्रह उपाय का वास्तविक सत्य: दान से ग्रह कमजोर नहीं, कर्म शुद्ध होते हैं

सामान्य रूप से ज्योतिष की चर्चा करते समय अक्सर यह बात सुनने को मिलती है कि जो ग्रह हमें लाभ दे रहे हैं उन्हें मजबूत करना चाहिए और जो ग्रह कष्ट दे रहे हैं उन्हें कमजोर करना चाहिए। यह बात सुनने में सरल और तर्कसंगत लगती है, लेकिन वास्तव में इसका अर्थ वह नहीं है जो सामान्य रूप से समझ लिया जाता है। ग्रहों को मजबूत या कमजोर करना मनुष्य के हाथ में नहीं होता, क्योंकि ग्रह कोई भौतिक वस्तु नहीं हैं जिन्हें हम घटा-बढ़ा सकें। ग्रह ब्रह्मांडीय ऊर्जा के स्रोत हैं, जो अपने नियत नियमों के अनुसार कार्य करते हैं। मनुष्य केवल अपने कर्म, अपने आचरण और अपनी चेतना के माध्यम से उनके प्रभाव को संतुलित कर सकता है।

बहुत से लोगों के मन में यह भ्रम बैठा दिया गया है कि यदि कोई ग्रह उच्च राशि में स्थित है या मजबूत है, तो उससे संबंधित वस्तुओं का दान नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे ग्रह कमजोर हो जाएगा। यह धारणा

प्रियंका जैन
9769994439

पूरी तरह गलत है। ग्रह का बल दान करने से कम नहीं होता। ग्रह अपनी कक्षा, अपनी ऊर्जा और अपने नियमों से संचालित होते हैं, न कि हमारे छोटे-छोटे भौतिक कार्यों से। दान करने का उद्देश्य ग्रह को कमजोर करना नहीं होता, बल्कि उस ग्रह से जुड़े कर्म दोषों को संतुलित करना होता है।

जब कोई ग्रह कुंडली में कमजोर होता है, तब ज्योतिष में उससे संबंधित रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। इसका कारण यह होता है कि रत्न उस ग्रह से संबंधित ब्रह्मांडीय ऊर्जा को आकर्षित करने का माध्यम बनता है। धीरे-धीरे वह ऊर्जा व्यक्ति के आभामंडल में प्रवेश करती है और उस तत्व की कमी को संतुलित करती है। लेकिन इसका उल्टा यह नहीं है कि यदि हम उस ग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान करेंगे, तो हमारे भीतर से वह तत्व बाहर निकल जाएगा। ऐसा कभी नहीं होता। दान का संबंध ऊर्जा को कम करने से नहीं, बल्कि कर्मों को शुद्ध करने से होता है।

इसे एक सरल उदाहरण से समझा जा सकता है। मान लीजिए कोई बहुत शक्तिशाली और प्रभावशाली व्यक्ति है। यदि आप उसके प्रिय लोगों को कष्ट पहुंचाते हैं, उनका अपमान करते हैं या उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं, तो स्वाभाविक रूप से वह शक्तिशाली व्यक्ति आपके प्रति क्रोध और शत्रुता का भाव रखेगा। लेकिन यदि आप अपनी गलती स्वीकार कर लें, उनसे क्षमा मांग लें और जिन लोगों को आपने कष्ट दिया है उनकी सेवा करें, उनकी सहायता करें, तो उस शक्तिशाली व्यक्ति का क्रोध शांत हो जाएगा। उसकी शक्ति में कोई कमी नहीं आएगी, लेकिन आपके प्रति उसका दृष्टिकोण बदल जाएगा।

ठीक इसी प्रकार ग्रह भी ब्रह्मांडीय ऊर्जा के प्रतिनिधि हैं। हमारे पूर्व जन्मों और वर्तमान जीवन के कर्मों के आधार पर ग्रहों के माध्यम से हमें सुख और दुख का अनुभव होता है। यदि हमने किसी जीव को कष्ट दिया है, किसी प्राणी के साथ अन्याय किया है, तो वह कर्म दोष के रूप में हमारे जीवन में वापस आता है। जब हम उस ग्रह से संबंधित जीवों की सेवा करते हैं, उनकी सहायता करते हैं, तो हमारे कर्म शुद्ध होने लगते हैं। यह ग्रह को कमजोर करना नहीं, बल्कि अपने कर्मों को संतुलित करना होता है।

यह एक सार्वभौमिक सत्य है कि सेवा से पुण्य प्राप्त होता है। जब हम किसी भूखे जीव को भोजन देते हैं, किसी बीमार प्राणी का उपचार करते हैं या किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं, तो हमारे भीतर सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण होता है।

जापानी कंपनी QP लगाएगी फूड प्रोसेसिंग यूनिट

▸▸ 200 करोड़ रुपए का होगा निवेश, यूएस और चाइना समेत 79 देशों में फैला है कारोबार
▸▸ 10 एकड़ में होगा निर्माण, यमुना सिटी में विदेशी निवेश से स्थानीय स्तर पर बढ़ेगा रोजगार

एजेंसी | नोएडा

यमुना सिटी औद्योगिक विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने जा रही है। जापान की प्रतिष्ठित फूड प्रोसेसिंग कंपनी क्यूपी कॉर्पोरेशन ने यमुना सिटी में फूड प्रोसेसिंग संयंत्र स्थापित करने में गहरी रुचि दिखाई है। प्रस्तावित परियोजना के लिए लगभग 8 से 10 एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी, जिसमें कंपनी करीब 200 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस निवेश से क्षेत्र में न केवल विदेशी पूंजी आएगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

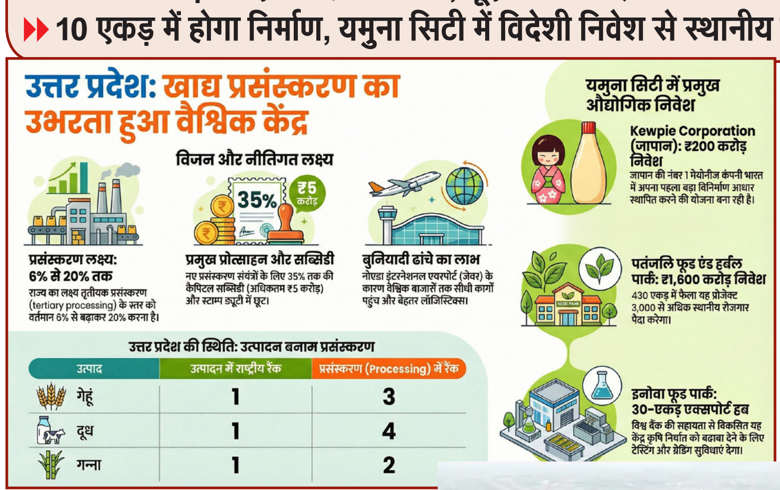

पतंजलि बना रहा मेगा फूड पार्क

यमुना विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि यमुना सिटी में पहले से चल रही फूड प्रोसेसिंग परियोजनाओं से क्षेत्र को औद्योगिक पहचान मिल रही है। सेक्टर-24 और सेक्टर-24ए में पतंजलि आयुर्वेद को 430 एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है, जहां मेगा फूड पार्क और फूड प्रोसेसिंग यूनिट का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस परिसर में 10 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता की डेयरी स्थापित की जाएगी, जिसमें चीज, पनीर और अन्य दुग्ध उत्पादों का बड़े पैमाने पर उत्पादन होगा।

जापानी बाजार में क्यूपी की 60% हिस्सेदारी

वैश्विक स्तर पर क्यूपी कॉर्पोरेशन एक अग्रणी फूड प्रोसेसिंग कंपनी के रूप में जानी जाती है। कंपनी विशेष रूप से अपने एग-योल्क आधारित मेयोनीज और विशिष्ट 'उमामी' स्वाद प्रोफाइल वाले उत्पादों के लिए प्रसिद्ध है। जापान में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत बताई जाती है, जबकि अमेरिका, चीन, वियतनाम, थाईलैंड सहित 79 से अधिक देशों में इसका व्यावसायिक संचालन है। इसके उत्पाद पोर्टफोलियो में स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों के साथ-साथ फ्रूट जैम, सॉस और विभिन्न फ्रूट सॉल्यूशंस शामिल हैं।

यमुना सिटी का तीसरा फूड प्रोसेसिंग संयंत्र

यदि यह परियोजना साकार होती है तो यह यमुना सिटी का तीसरा फूड प्रोसेसिंग संयंत्र होगा। इससे पहले पतंजलि आयुर्वेद और इनोवा फूड पार्क को यहां भूमि आवंटित की जा चुकी है। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार, क्यूपी कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधियों को यमुना सिटी की औद्योगिक सुविधाएं, परिवहन नेटवर्क और निवेश-अनुकूल नीतियां विशेष रूप से आकर्षक लगी हैं।

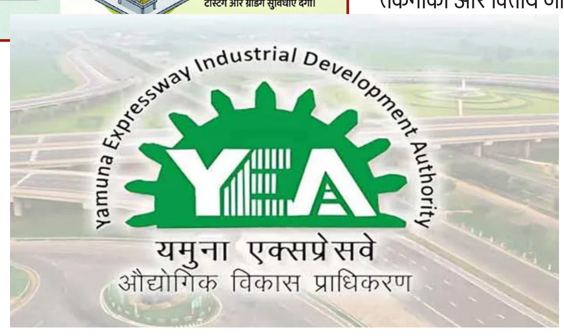

यमुना विकास प्राधिकरण के साथ की बैठक

क्यूपी कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में यमुना विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने यमुना सिटी के विभिन्न औद्योगिक पार्कों का निरीक्षण किया और यहां उपलब्ध आधारभूत ढांचे, कनेक्टिविटी और औद्योगिक अनुकूल माहौल की सराहना की। कंपनी प्रबंधन ने संकेत दिए हैं कि संयंत्र स्थापना से संबंधित औपचारिक प्रस्ताव शीघ्र ही प्राधिकरण को सौंपा जाएगा।

तकनीकी और वित्तीय जांच के बाद स्वीकृति

प्राधिकरण का कहना है कि जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बातचीत सकारात्मक रही है। क्यूपी कॉर्पोरेशन से प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद उसकी तकनीकी और वित्तीय जांच की जाएगी, जिसके पश्चात इसे बोर्ड और उद्योग विभाग के समक्ष औपचारिक स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। यमुना सिटी में इस संभावित निवेश को उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास और वैश्विक निवेश आकर्षित करने की दिशा में एक अहम उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

इनोवा फूड पार्क बना रहा एग्रो हब

इसी क्रम में, इनोवा फूड पार्क को सेक्टर-24 में 30 एकड़ भूमि पर एग्रो हब स्थापित करने के लिए जमीन दी गई है। इस केंद्र में कृषि और बागवानी उत्पादों की जांच, ग्रेडिंग और पैकेजिंग की आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। एग्रो हब की कार्गो टर्मिनल से दूरी लगभग 10 किलोमीटर होगी, जिससे निर्यात और परिवहन लागत में कमी आएगी।

गूगल सर्च इंजन से तलाशते थे चोरी की लोकेशन

▸▸ बिजलीघरों से तार चोरी करने वाला गिरोह धराया
▸▸ चोरों ने लखनऊ में किराए पर ले रखा था गोदाम

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले एक संगठित अंतरराज्यीय चोरी गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। स्वाट/सर्विलांस टीम और थाना सफदरगंज पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में रसौली अंडरपास के पास से पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी सुनियोजित तरीके से बिजली घरों की रेकी कर रात के अंधेरे में तार चोरी करते थे और उन्हें दिल्ली की कबाड़ मंडियों तक खपाते थे। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में इरफान अली उर्फ मुजफ्फर, वसीम, परवेज, आरिफ और आसिफ शामिल हैं। पूछताछ में सामने आया कि इस गिरोह का सरगना इरफान अली है, जिसने लखनऊ में किराये पर मकान लेकर उसे गोदाम के रूप में विकसित कर रखा था।

गूगल से तलाश, कुर्सी बेचने का बहाना

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी पहले गूगल सर्च के जरिए बिजली पावर हाउसों की लोकेशन तलाशते थे। इसके बाद मोटरसाइकिलों से प्लास्टिक कुर्सी बेचने के बहाने उन स्थानों पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था और आवाजाही का जायजा लेते थे। पूरी योजना तैयार होने के बाद रात में बिजली घरों से एल्युमीनियम और तांबे के तार काटकर चोरी कर लेते थे। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे और निशानदेही पर बड़ी मात्रा में चोरी का माल बरामद किया है। इसमें करीब 5 कुंतल एल्युमीनियम तार, 1 कुंतल से अधिक तांबे का तार, केबल छिलका, तांबे के छिलके, तार काटने के औजार, वेल्डिंग मशीन, नकदी, एक कार, एक पिकअप वाहन, पांच मोटरसाइकिलें और प्लास्टिक कुर्सियां शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक चोरी किया गया तार पिकअप वाहनों में लोड कर दिल्ली की कबाड़ मार्केट में बेचा जाता था।

अंतिम दिन त्रिवेणी तट पर उमड़ा आस्था का महासागर

▸▸ महाशिवरात्रि स्नान के साथ माघ मेले का समापन
▸▸ चार बजे तक 36 लाख लोग लगा चुके थे डुबकी

प्रयागराज। विश्वविख्यात माघ मेले का अंतिम और सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्नान पर्व महाशिवरात्रि श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के माहौल में संपन्न हो गया। इसी स्नान के साथ माघ मेले का भी समापन हो गया। रविवार तड़के शुभ मुहूर्त के साथ ही पवित्र त्रिवेणी संगम पर 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी जयघोष के बीच स्नान की परंपरा प्रारंभ हुई। भोर होते ही संगम समेत सभी प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा और आस्था की अविरल धारा पूरे मेला क्षेत्र में दिखाई देने लगी। सुरक्षा और व्यवस्था के लिहाज से प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। संगम और अन्य घाटों पर जल पुलिस, प्रशिक्षित गोताखोर, नाविक तथा एसडीआरएफ की टीमें मुस्तैद हैं। भीड़ प्रबंधन और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए घाटों पर सीसीटीवी कैमरों और एआई आधारित निगरानी प्रणाली से पल-पल की गतिविधियों पर नजर रखी गई।

शिव के दरबार में लगी कतार

भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए मनकामेश्वर मंदिर, नागवासुकी मंदिर, शंकर विमान मंडपम, ब्रह्मेश्वर महादेव, पांडेश्वर महादेव मंदिर और कोटेश्वर महादेव सहित शहर के सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। माघ मेले के अंतिम स्नान पर्व पर उमड़ी अपार भीड़ और श्रद्धालुओं की अनुशासित सहभागिता ने एक बार फिर प्रयागराज की आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक वैभव को उजागर किया।

स्नान बाद किया शिवालयों का रुख

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धालु पतित पावनी मां गंगा, यमुना और अंत:सलिला सरस्वती के संगम में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। संगम में डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालु मां गंगा की पूजा-अर्चना व आरती कर भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए विभिन्न शिवालयों की ओर रुख कर रहे हैं। संगम तट और शहर के प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी हुई हैं।

22 अप्रैल को खुलेंगे केदारनाथ धाम के कपाट

▸▸ पंचांग गणना के बाद घोषित की गई तिथि

एजेंसी | उखीमठ/रुद्रप्रयाग

हिमालय की गोद में स्थित ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ मंदिर के कपाट इस वर्ष 22 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में आयोजित पारंपरिक बैठक में विधिवत पंचांग गणना के बाद यह तिथि और शुभ मुहूर्त निर्धारित किया गया। कपाट प्रातः 8 बजे वृष लग्न में विधि-विधान से खोले जाएंगे।

केदारपुरी आएगी पंचमुखी डोली

बैठक में विद्वान आचार्य, हक-हकूकधारी तथा बदरी-केदार मंदिर समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे। परंपरा के अनुरूप कपाट खुलने से पूर्व बाबा केदार की पंचमुखी डोली केदारपुरी के लिए प्रस्थान करेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 18 अप्रैल को उखीमठ में भैरवनाथजी की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। 19 अप्रैल को डोली उखीमठ से फाटा के लिए रवाना होगी, 20 अप्रैल को गौरीकुंड में रात्रि विश्राम के उपरांत 21 अप्रैल को केदारनाथ धाम पहुंचेगी। इसके अगले दिन 22 अप्रैल को प्रातः 8 बजे मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।

सभी पहलुओं की हो रही समीक्षा

समिति अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने देश-विदेश के श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने बताया कि कपाट खुलने की तिथि घोषित होते ही व्यवस्थाओं को गति दे दी गई है। मंदिर परिसर, समिति कार्यालयों और विश्राम गृहों का निरीक्षण किया जा रहा है।

मुख्य पुजारी होंगे एमटी गंगाधर

मंदिर समिति के अनुसार इस यात्रा वर्ष में केदारनाथ धाम में एम.टी. गंगाधर मुख्य पुजारी के रूप में सेवा देंगे। मदमहेश्वर धाम से संबंधित पूजा व्यवस्था शिवशंकर लिंग संभालेंगे, जबकि बागेश लिंग अतिरिक्त दायित्वों में सहयोग करेंगे। महाशिवरात्रि के अवसर पर ओंकारेश्वर मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया, जिसमें विभिन्न श्रद्धालुओं ने योगदान दिया।

रूस-यूक्रेन युद्धः बाबा से की शांति की कामना

वाराणसी। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर काशी में अध्यात्म और मानवीय संवेदना का अनुपम संगम देखने को मिला। युद्ध की पीड़ा से व्यथित रूस के श्रद्धालुओं का एक दल बाबा भोलेनाथ की नगरी पहुंचा और यूक्रेन के साथ जारी संघर्ष के शीघ्र अंत तथा वैश्विक शांति की प्रार्थना की। घाट-लंका क्षेत्र स्थित तारानगर कॉलोनी के वेद मंदिर में आयोजित रुद्राभिषेक अनुष्ठान में रूस से आए 12 श्रद्धालुओं ने वैदिक विधि-विधान के साथ भाग लिया। वैदिक एजुकेशनल रिसर्च सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित इस अनुष्ठान का संचालन संस्था के अध्यक्ष एवं ज्योतिषाचार्य पंडित शिवपूजन शास्त्री के सान्निध्य में हुआ। ब्राह्मणों द्वारा वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच भगवान शंकर का अभिषेक संपन्न कराया गया। दल की संयोजिका जूलिया ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर काशी में पूजन-अर्चन कर उन्हें गहन आध्यात्मिक शांति का अनुभव हुआ।

तीन महीने में 2.33 लाख रिटेल निवेशकों ने किया किनारा

एजेंसी | नई दिल्ली

नई दिल्ली। दिसंबर तिमाही के दौरान शेयर बाजार में रिटेल निवेशकों की भागीदारी में बड़ा बदलाव दर्ज किया गया है। आंकड़ों से साफ है कि इस अवधि में खुदरा निवेशकों ने कई जानी-मानी कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी घटाई है। बीएसई से लेकर रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा समूह की कंपनियों तक, रिटेल निवेशकों की संख्या में उल्लेखनीय कमी देखने को मिली है।

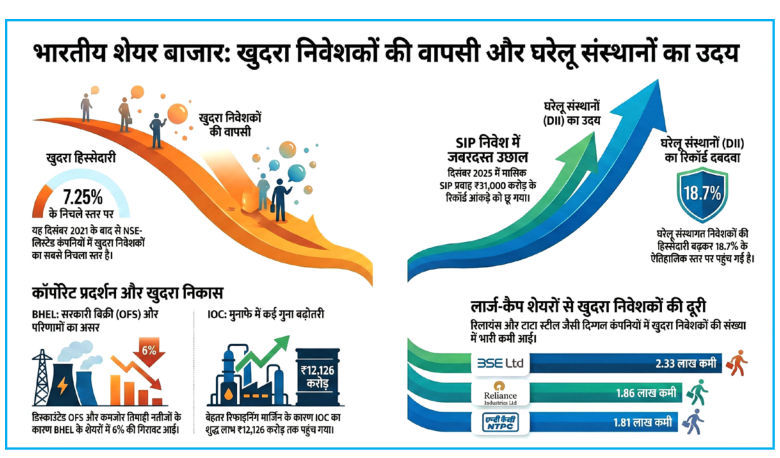

बीएसई में सबसे बड़ी गिरावट

रिटेल होल्डिंग में सबसे ज्यादा कमी BSE Limited में दर्ज की गई। 30 सितंबर से 31 दिसंबर के बीच कंपनी के रिटेल शेयरधारकों की संख्या 12.57 लाख से घटकर 10.24 लाख रह गई। यानी महज तीन महीनों में करीब 2.33 लाख रिटेल निवेशकों ने बीएसई के शेयर बेचकर बाहर का रास्ता चुना।

रिलायंस और NTPC में घटा भरोसा

देश की सबसे मूल्यवान कंपनी Reliance Industries इस सूची में दूसरे स्थान पर रही। दिसंबर तिमाही में कंपनी के रिटेल निवेशकों की संख्या 42.34 लाख से घटकर 40.47 लाख रह गई। इस तरह लगभग 1.86 लाख खुदरा निवेशकों ने रिलायंस से दूरी बना ली। सरकारी क्षेत्र की ऊर्जा कंपनी NTPC में भी रिटेल निवेशकों की संख्या 36.31 लाख से घटकर 34.50 लाख रह गई, यानी करीब 1.81 लाख निवेशक बाहर हो गए।

टाटा समूह की कंपनियों में भी कमी

टाटा समूह की कंपनियों में भी रिटेल निवेशकों की संख्या घटी है। Tata Power में रिटेल शेयरधारकों की संख्या 43.36 लाख से घटकर 41.78 लाख रह गई, यानी 1.58 लाख निवेशक बाहर हुए। वहीं Tata Steel भी उन कंपनियों में शामिल रही, जहां खुदरा निवेशकों ने हिस्सेदारी घटाई। रेलवे क्षेत्र की प्रमुख वित्तीय संस्था Indian Railway Finance Corporation में भी रिटेल निवेशकों की संख्या में कमी आई।

पीएसयू और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में भी असर

सरकारी इंजीनियरिंग कंपनी Bharat Heavy Electricals Limited से भी रिटेल निवेशकों का भरोसा कमजोर पड़ा। दिसंबर तिमाही में इसके रिटेल शेयरधारकों की संख्या 19.24 लाख से घटकर 17.55 लाख रह गई, यानी करीब 1.69 लाख की कमी आई। इसी तरह Indian Oil Corporation में रिटेल निवेशकों की संख्या 29.20 लाख से घटकर 27.62 लाख रह गई, जो लगभग 1.58 लाख की गिरावट को दर्शाती है।

मार्केट कैप: शीर्ष छह कंपनियों के तीन लाख करोड़ घटे

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में आई तेज़ गिरावट ने देश की दिग्गज कंपनियों की साख पर सीधा असर डाला। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह कंपनियों के संयुक्त बाजार पूंजीकरण में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बड़ी सेंध लग गई। इस गिरावट की सबसे गहरी मार सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र पर पड़ी, जहां प्रमुख कंपनियों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। सप्ताह भर के कारोबार में शेयर बाजार दबाव में रहा। प्रमुख सूचकांक में करीब 953 अंकों से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे बाजार में नकारात्मक माहौल बना। कमजोर वैश्विक संकेतों, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और चुनिंदा शेयरों में मुनाफावसूली के कारण निवेशकों की कुल संपत्ति में उल्लेखनीय कमी आई।

बैंकिंग और अन्य दिग्गजों पर भी असर

निजी क्षेत्र के बड़े बैंक HDFC Bank का बाजार मूल्य भी कमजोर रहा और इसमें करीब 54 हजार करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई। वहीं देश की सबसे बड़ी कंपनी Reliance Industries के बाजार पूंजीकरण में भी लगभग 42 हजार करोड़ रुपये की गिरावट आई। सरकारी बीमा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी Life Insurance Corporation of India के मार्केट कैप में भी करीब 24 हजार करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई, जबकि टेलीकॉम सेक्टर की दिग्गज Bharti Airtel का मूल्यांकन भी लगभग 19 हजार करोड़ रुपये घट गया।

आईटी दिग्गजों को सबसे बड़ा झटका

आईटी सेक्टर की अग्रणी कंपनी Tata Consultancy Services को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा। कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक घटकर करीब 9.7 लाख करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह Infosys के मार्केट कैप में भी लगभग 70 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की गिरावट आई और इसका मूल्य घटकर लगभग 5.5 लाख करोड़ रुपये पर आ गया।

FPI: फरवरी में 19,675 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली/मुंबई। अमेरिका-भारत संभावित व्यापार समझौते और वैश्विक आर्थिक संकेतकों में नरमी के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने फरवरी की शुरुआत में भारतीय इक्विटी बाजारों में उल्लेखनीय वापसी दर्ज की है। डिपॉजिटरी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के पहले दो सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 19,675 करोड़ रुपये का निवेश किया है। लगातार तीन महीनों तक आक्रामक बिकवाली के बाद यह रुझान बाजार धारणा में सुधार का संकेत माना जा रहा है। इससे पहले विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से बड़े पैमाने पर पूंजी निकाली थी। जनवरी में 35,962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली दर्ज की गई थी। वर्ष 2025 में अब तक एफपीआई कुल मिलाकर लगभग 1.66 लाख करोड़ रुपये (करीब 18.9 अरब डॉलर) भारतीय बाजार से निकाल चुके हैं। फरवरी में स्थिति आंशिक रूप से सुधरती दिखी। 13 फरवरी तक के 11 कारोबारी सत्रों में से 7 सत्रों में एफपीआई ने खरीदारी की, जबकि 4 सत्रों में बिकवाली की।

अप्रैल में लागू हो सकता है भारत—ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच 24 जुलाई 2025 को हस्ताक्षरित व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) के अप्रैल 2026 से प्रभावी होने की संभावना है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, दोनों देश इसे आगामी वित्तीय वर्ष की शुरुआत से लागू करने के उद्देश्य से आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर रहे हैं। हालांकि, समझौते को अंतिम रूप से लागू करने से पहले ब्रिटेन की संसद की स्वीकृति अनिवार्य है। यह समझौता, जिसे व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) के रूप में भी संदर्भित किया जा रहा है, दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। इसके तहत भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में शून्य सीमा शुल्क पर प्रवेश मिलेगा। बदले में भारत चरणबद्ध तरीके से कार, स्कॉच व्हिस्की और अन्य चयनित ब्रिटिश उत्पादों पर आयात शुल्क में कमी करेगा।

संसदीय प्रक्रिया और औपचारिक मंजूरी

ब्रिटेन में समझौते के क्रियान्वयन से पहले संसदीय अनुमोदन आवश्यक है। यह प्रस्ताव हाउस ऑफ कॉमन्स और हाउस ऑफ लॉर्ड्स—दोनों सदनों में विचारार्थ प्रस्तुत किया जाएगा। संबंधित संसदीय समितियां इसके विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत समीक्षा करेंगी। हाल ही में हाउस ऑफ कॉमन्स में इस समझौते पर चर्चा के दौरान व्यापार एवं उद्योग विभाग में राज्य मंत्री क्रिस ब्रायंट ने इसे लेबर सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

भारतीय बाजार को मिलेंगे अभूतपूर्व अवसर

राज्यमंत्री क्रिस ब्रायंट के मुताबिक इस करार से ब्रिटिश व्यवसायों के लिए भारतीय बाजार में अभूतपूर्व अवसर खुलेंगे। भारत में ऐसे अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों को केंद्रीय मंत्रिमंडल की स्वीकृति प्रदान की जाती है। ब्रिटिश संसद की मंजूरी के बाद दोनों देश आपसी सहमति से प्रभावी तिथि की औपचारिक घोषणा करेंगे।

डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन पर भी बात संभव

दोनों देशों ने एक 'डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन' समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत अस्थायी रूप से दूसरे देश में कार्यरत पेशेवरों को सामाजिक सुरक्षा अंशदान दोहरी बार नहीं देना होगा। संभावना जताई जा रही है कि यह व्यवस्था भी एफटीए के साथ ही लागू की जाएगी, जिससे सेवाक्षेत्र के पेशेवरों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

प्रमुख प्रावधान और शुल्क कटौती

समझौते के अंतर्गत भारत ने चॉकलेट, बिस्कुट, प्रसाधन सामग्री और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के लिए अपना बाजार आंशिक रूप से खोला है। वहीं भारत के वस्त्र, जूते, रत्न-आभूषण, खेल सामग्री और खिलौना उद्योग को ब्रिटेन में बेहतर बाजार पहुंच मिलेगी। स्कॉच व्हिस्की पर आयात शुल्क तत्काल प्रभाव से 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत किया जाएगा और इसे 2035 तक क्रमिक रूप से 40 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा गया है।

वेस्टइंडीज ने नेपाल को 9 विकेट से हराया

सुपर-8 में पहुंची कैरेबियाई टीम, नेपाल टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी । मुंबई

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-सी के मुकाबले में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने नेपाल नेशनल क्रिकेट टीम को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने लगातार तीसरी जीत दर्ज कर सुपर-8 में जगह बना ली, जबकि नेपाल लगातार तीसरी हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गया। नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 133 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज ने 15.2 ओवर में सिर्फ एक विकेट खोकर 134 रन बनाते हुए आसान जीत हासिल कर ली।

नेपाल की पारी लड़खड़ाई

नेपाल की शुरुआत खराब रही और टीम ने 73 रन तक छह विकेट गंवा दिए। कुशल भुर्टेल (1), रोहित पौडेल (5), आसिफ शेख (11), आरिफ शेख (2), लोकेश बाम (13) और गुलसन झा (11) सस्ते में आउट हुए। हालांकि दीपेंद्र सिंह ऐरी (58) और सोमपाल कामी (26*) ने अर्धशतकीय साझेदारी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर ने चार विकेट झटके, जबकि मैथ्यू फोर्ड, अकील हुसैन, शमर जोसेफ और रोस्टन चेज को एक-एक सफलता मिली। वेस्टइंडीज की इस जीत से ग्रुप-सी की स्थिति साफ हो गई है और टीम खिताब की प्रबल दावेदार बनकर उभरी है।

होप-हेटमायर की दमदार साझेदारी

134 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत मजबूत रही। ब्रैंडन किंग (22) और कप्तान शाई होप ने पहले विकेट के लिए 43 रन जोड़े। किंग के आउट होने के बाद होप ने शिमरोन हेटमायर के साथ पारी संभाली। होप ने 44 गेंदों में 61* रन (5 चौके, 3 छक्के) बनाए, जबकि हेटमायर ने 32 गेंदों में नाबाद 46 रन (4 चौके, 2 छक्के) जड़े। नेपाल की ओर से नंदन यादव ने एकमात्र विकेट लिया।

एनाबेल सदरलैंड को लगातार दूसरी बार बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को प्रतिष्ठित बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। यह ऑस्ट्रेलिया में किसी महिला क्रिकेटर को दिया जाने वाला सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान है। सदरलैंड ने लगातार दूसरी बार यह अवॉर्ड जीतकर खास उपलब्धि हासिल की। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, सदरलैंड को 77 वोट मिले। उनसे महज तीन वोट पीछे रहीं बेथ मूनी को 74 वोट प्राप्त हुए, जबकि अलाना किंग 56 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुष और महिला टीमों के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के कारण इस वर्ष पारंपरिक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पुरस्कार समारोह आयोजित नहीं हो सका। सदरलैंड को यह सम्मान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के मेंबर्स लॉन्ग रूम में आयोजित विशेष प्रस्तुति समारोह में प्रदान किया गया।

सदरलैंड ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी जीता। वहीं बेथ मूनी को टी20 अंतरराष्ट्रीय प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया।

भारतीय महिला टीम ने पहले टी20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराया

सिडनी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम को 21 रनों से हरा दिया। रविवार को यह मुकाबला सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला गया। बारिश से प्रभावित इस मैच में भारतीय टीम को डकवर्थ-लुईस (डीएलएस) नियम के आधार पर विजेता घोषित किया गया।

मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजी के लिए उतरी और तेज शुरुआत करते हुए पहले 10 ओवर में 87 रन बना लिए, हालांकि इस दौरान उसने पांच विकेट भी गंवा दिए। बेथ मूनी (5), जॉर्जिया वॉल (18), एलिस पेरी (20), एश्ले गार्डनर (4) और फीबी लिचफील्ड (26) सस्ते में आउट हो गईं। जॉर्जिया वेयरहम ने 19 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 30 रन बनाए लेकिन नियमित अंतराल पर गिरते विकेटों के कारण ऑस्ट्रेलियाई टीम 18 ओवर में 133 रन पर ऑलआउट हो गई।

भारत की ओर से अरुंधति रेड्डी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके। रेणुका सिंह ठाकुर और श्री चरणी ने दो-दो विकेट हासिल किए, जबकि दीप्ति शर्मा और क्रांति गौड़ को एक-एक सफलता मिली।

134 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने 11 गेंदों में एक चौका और दो छक्कों की मदद से 21 रन बनाए। भारत ने 5.1 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 50 रन बना लिए थे, तभी तेज बारिश शुरू हो गई। बाद में जब बारिश नहीं थमी तो डकवर्थ-लुईस नियम के तहत भारतीय टीम को 21 रन से विजेता घोषित कर दिया गया।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से सोफी मोलिन्यूक्स ने एकमात्र विकेट हासिल किया। इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

भारतीय ए महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान ए महिला क्रिकेट टीम को 8 विकेट से हराया

बैंकॉक । बैंकॉक (थाईलैंड) में खेले गए एसीसी महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 के मुकाबले में भारतीय ए महिला टीम ने पाकिस्तान ए महिला टीम को आठ विकेट से करारी शिकस्त दी। मैच टेरदथाई क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम 18.5 ओवर में 93 रन पर सिमट गई। जवाब में भारतीय टीम ने 10.1 ओवर में 2 विकेट खोकर 97 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

94 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत झटके के साथ हुई और हुमैरा काजी पहली गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गईं। इसके बाद वृंदा दिनेश और अनुष्का शर्मा ने 50 गेंदों में 79 रनों की मजबूत साझेदारी कर पारी संभाली।अनुष्का शर्मा ने 26 गेंदों पर 24 रन (4 चौके) बनाए। वहीं वृंदा दिनेश ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों पर नाबाद 55 रन जड़े, जिसमें 12 चौके शामिल रहे। तेजल हसबनीस ने 5 गेंदों पर नाबाद 12 रन बनाए।

राहुल- पडिक्कल के शतक से कर्नाटक की स्थिति मजबूत

एजेंसी । लखनऊ

बीसीसीआई द्वारा आयोजित रणजी ट्रॉफी 2025-26 के पहले सेमीफाइनल के पहले दिन कर्नाटक ने अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे सेमीफाइनल मुकाबले में पहले दिन कर्नाटक के लिए केएल राहुल और कप्तान देवदत्त पडिक्कल की शतकीय पारी के बदौलत दिन की समाप्त तक 2 विकेट के नुकसान पर 355 रन बनाए।

सेमीफाइनल मुकाबले में उत्तराखंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी कर्नाटक को 18 के स्कोर पर मयंक अग्रवाल के रूप में बड़ा झटका लगा। मयंक 5 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद केएल राहुल और देवदत्त पड्डिकल ने पारी को संभाल लिया। राहुल और पड्डिकल ने दूसरे विकेट के लिए 278 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूती दी।

सेमीफाइनल में कर्नाटक की मजबूत पकड़

केएल राहुल ने लगातार दूसरा शतक लगाया। क्वार्टर फाइनल में शतक लगाने वाले राहुल ने 211 गेंदों पर 11 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 141 रन की पारी खेली। राहुल का हौसला बढ़ाने के लिए सुनील शेट्टी और अहान शेट्टी भी दर्शक दीर्घा में मौजूद थे। हालांकि, दिन कुछ ओवर पहले केएल राहुल आउट हो गए।

राहुल की पारी आदित्य रावत ने अपनी ही गेंद पर कैच लेकर समाप्त की। कप्तान देवदत्त पडिक्कल 236 गेंद पर 2 छक्कों और 16 चौकों की मदद से 148 रन बनाकर नाबाद हैं। उनके साथ करुण नायर 65 गेंद पर 5 चौकों और 1 छक्कों की मदद से 37 रन बनाकर खेल रहे हैं। दोनों के बीच 59 रन की साझेदारी हो चुकी है। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय कर्नाटक ने 2 विकेट के नुकसान पर 355 रन बना लिए हैं।

बॉलीवुड

रणबीर ने अपनी फिल्मों की देरी पर की बात

अभिनेता रणबीर कपूर ने अपनी फिल्मों के निर्माण में लगने वाले लंबे समय और रिलीज में होने वाली देरी पर खुलकर बात की है। इंस्टाग्राम लाइव के दौरान फैंस से बातचीत में उन्होंने स्वीकार किया कि उनके करियर में फिल्मों का लंबा खिंचना एक तरह का पैटर्न बन गया है।

उन्होंने कहा, ₹जब दूसरे लोग फिल्में शुरू करते हैं तो छह महीने में पूरी हो जाती हैं, लेकिन मेरी फिल्मों को समय लगता है। हालांकि जब फिल्म रिलीज होती है, तो दर्शक यह भूल जाते हैं कि उसे बनाने में कितना वक्त लगा।₹ रणबीर ने बताया कि वह पिछले तीन वर्षों से अपनी आगामी परियोजनाओं पर लगातार मेहनत कर रहे हैं। अभिनेता ने पुष्टि की कि रामायण : भाग 1 उनकी अगली रिलीज होगी, जिसका निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। फिल्म दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में आएगी। लाइव के दौरान एक प्रशंसक ने बताया कि फिल्म की रिलीज उनकी बेटी राहा के जन्मदिन के आसपास होगी, जिसे रणबीर ने 'खूबसूरत संयोग' कहा।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 'लव एंड वॉर' 'रामायण' के बाद रिलीज होगी और इसके दिसंबर 2026 या शुरुआती 2027 में आने की संभावना है।

रणबीर ने आगे बताया कि 'ब्रह्मास्त्र 2' पर काम जारी है और इसकी शूटिंग उम्मीद से पहले शुरू हो सकती है। वहीं 'एनिमल पार्क' की शूटिंग भी अगले साल मध्य तक शुरू होने की संभावना है। 'ये जवानी है दीवानी 2' पर चल रही चर्चाओं को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि फिलहाल इसका कोई प्लान नहीं है। गौरतलब है कि उनकी पिछली फिल्म 'एनिमल' ने बॉक्स ऑफिस पर 900 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर कई रिकॉर्ड तोड़े थे।

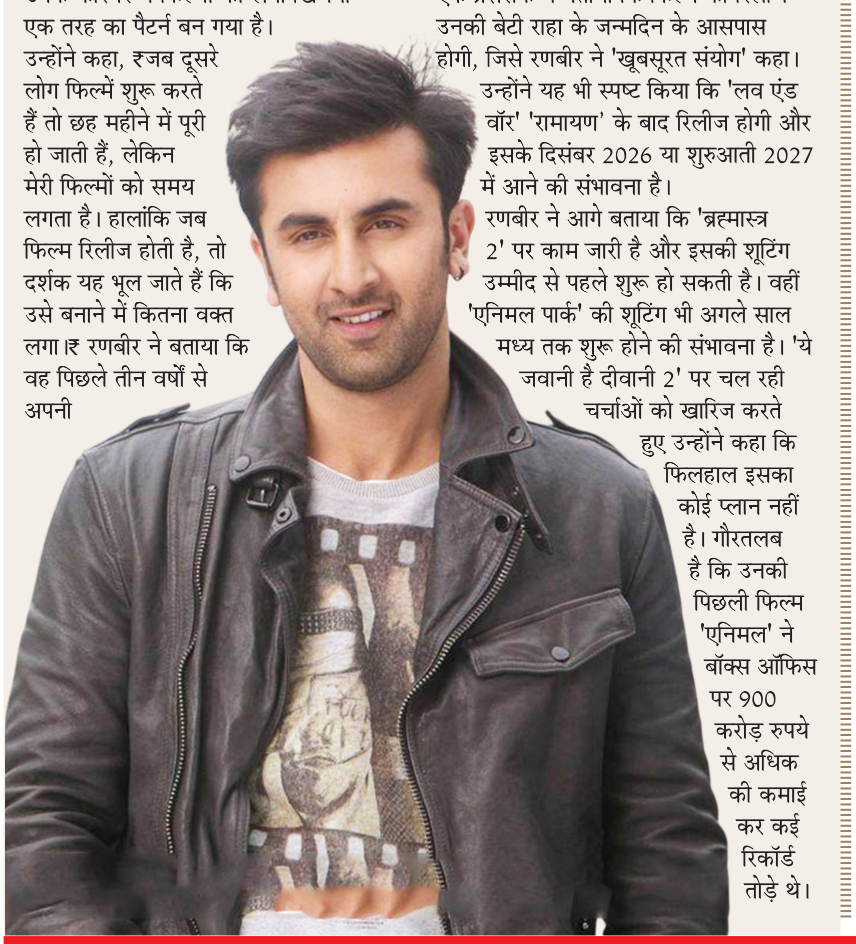

रिलीज हुआ 'नागबंधम' का टीज़र महेश बाबू ने किया लॉन्च

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर माइथो-एक्शन फिल्म नागबंधम का बहुप्रतीक्षित टीज़र जारी कर दिया गया। फिल्म का निर्देशन अभिषेक नामा ने किया है, जबकि निर्माण किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने बड़े पैमाने पर किया है। टीज़र को सुपरस्टार महेश बाबू ने लॉन्च किया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर उत्साह चरम पर पहुंच गया। हिमालय की रहस्यमयी वादियों की पृष्ठभूमि में रचा गया यह टीज़र एक ऐसे प्राचीन रहस्य की ओर इशारा करता है, जो समय से भी पुराना बताया गया है।

फिल्म की कहानी ऐतिहासिक अफगान आक्रमण की पृष्ठभूमि से प्रेरित है, जिसमें माइथोलॉजी, इतिहास और आध्यात्मिक युद्ध का संगम देखने को मिलेगा। कथा के केंद्र में एक पवित्र नागबंधम मंदिर है, जिसकी रक्षा दिव्य शक्तियां करती हैं और जहां ब्रह्मांडीय ऊर्जा के सुरक्षित होने का दावा किया गया है।

टीज़र बिना संवाद के भी अपने भव्य विजुअल्स और प्रभावशाली बैकग्राउंड स्कोर से दर्शकों को बांधे रखता है। सिनेमैटोग्राफर सुंदर राजन एस की कैमरा वर्क, हाई-एंड वीएफएक्स, अशोक कुमार का प्रोडक्शन डिजाइन और जुनैद कुमार का पृष्ठभूमि संगीत इसे एक बड़े विजुअल अनुभव में बदल देते हैं। फिल्म में विराट कर्णा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और उनका भगवान शिव के रूप में अवतार टीज़र की प्रमुख झलकियों में शामिल है। इसके अलावा नभा नतेश, ईश्वर्या मेनन, महेश मांजरेकर, जगपति बाबू, मुरली शर्मा और अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। हैदराबाद के प्रसाद्स पीसीएक्स में आयोजित विशेष स्क्रीनिंग में टीज़र को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और दर्शकों ने खड़े होकर तालियों से स्वागत किया। 'नागबंधम' को 2026 की बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्मों में शामिल माना जा रहा है।

नए लुक में दिखे राजकुमार राव, वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर राजकुमार राव का नया वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह बदले हुए अंदाज में नजर आ रहे हैं। वायरल क्लिप में अभिनेता ने काले रंग की सादी शर्ट और जींस पहनी है, साथ में सफेद जूते और चश्मा लगाया हुआ है। जहां वह पहले अक्सर क्लीन शेव में दिखते थे, वहीं इस बार दाढ़ी-मूंछ में नजर आए। उनके बाल भी पहले की तुलना में अलग और पतले दिखाई दिए। बदले हुए लुक में राजकुमार शांत और खुश नजर आए। उन्होंने कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए अभिवादन किया और फिल्ममेकर फराह खान के साथ पोज भी दिया।इस नए अंदाज को देखकर कई सोशल मीडिया यूजर्स ने हैरानी जताई।

इम्तियाज अली-एकता कपूर की नई रोमांटिक फिल्म की घोषणा

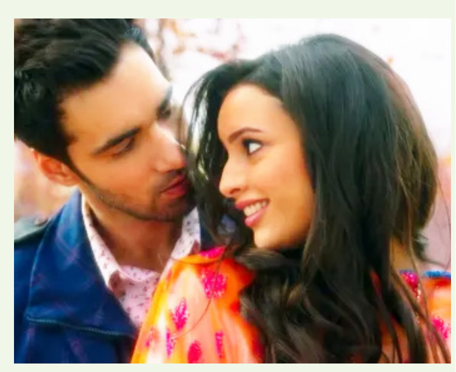

निर्देशक इम्तियाज अली और निर्माता एकता कपूर ने वैलेंटाइन डे पर अपनी नई फिल्म हीर रांझा की घोषणा कर दी है। आठ साल बाद दोनों फिर साथ आए हैं। यह फिल्म मशहूर प्रेम कथा पर आधारित होगी और 'लैला मजनू' के बाद उनकी दूसरी रोमांटिक पेशकश मानी जा रही है। फिल्म का निर्देशन साजिद अली करेंगे और टीज़र रिलीज होते ही फैंस के बीच उत्साह बढ़ गया है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में रांझा का किरदार अभिनेता रोहित सराफ निभाएंगे। रोहित को वेब सीरीज 'मिसमैच्ड' से खास पहचान मिली। निर्माताओं का मानना है कि वह इस जटिल और भावनात्मक किरदार को प्रभावी ढंग से पर्दे पर उतार पाएंगे।

हीर के किरदार के लिए एक नई अभिनेत्री को चुना गया है, हालांकि उनका नाम अभी गुप्त रखा गया है। इससे फैंस की उत्सुकता और बढ़ गई है। कई दर्शक 'लैला मजनू' की जोड़ी तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी की वापसी की मांग कर रहे हैं, लेकिन मेकर्स ने साफ किया है कि यह एक नई प्रस्तुति होगी, जो अलग अंदाज में प्रेम कहानी को पेश करेगी। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है और इसे लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है।

जहां दर्द मुस्कुरा उठा : प्रियदर्शिनी पार्क में सजा खुशियों का अनोखा मेला

अनु प्रकाश
शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी रही हैं, काउंसलिंग में लंबा अनुभव, मुंबई में निवास

दोपहर संवाददाता । मुंबई

एक मित्र ने अचानक बताया कि मुंबई के नेपियनसी रोड स्थित प्रियदर्शिनी पार्क में कैंसर पीड़ित बच्चों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यहां टाटा कैंसर और वाडिया हॉस्पिटल के बच्चे आएंगे और कई डोनर्स (दानदाता) इन जरूरतमंद बच्चों को तोहफे देंगे। हमने भी निर्झरणी की तरफ से आनन-फानन में कुछ तोहफे खरीदे, आयोजक समाजसेवी जयेश शाह से अनुमति ली और पहुंच गए इस 'अनोखे मेले' में! अमूमन मेलों में शोर होता है, मोल-भाव होता है और सामान की नुमाइश होती है। लेकिन आज मुंबई के इस पार्क में एक ऐसा मेला सजा, जहां न कोई खरीदार था और न ही कोई विक्रेता। यहां तो बस विश्वास की एक अनूठी डोर थी और परस्पर प्रेम से सराबोर वातावरण।

वॉलंटियर्स ने मन मोह लिया

अक्सर हम 'Gen Z' यानी आज की पीढ़ी को मोबाइल में खोया हुआ मानते हैं, लेकिन आज तस्वीर जुदा थी। युवा वॉलंटियर्स पूरी ऊर्जा के साथ इन बच्चों की खुशियों में मग्न थे। वे बच्चों की पसंद के गाने बजा रहे थे और उनके साथ खेल रहे थे।

संगीत ने दर्द सोख लिया

जब टाटा और वाडिया अस्पताल के बच्चे अपने अभिभावकों के साथ पार्क के गेट पर पहुंचे, तो उनके चेहरों पर महीनों की बीमारी, इलाज की यंत्रणा और अस्पताल के कमरों की उदासी साफ झलक रही थी। इनमें से कई मासूम तो ऐसे थे जिन्होंने महीनों से खुला आसमान नहीं देखा था। लेकिन जैसे ही वॉलंटियर्स ने उनका स्वागत किया, वह उदासी मानो कपूर की तरह उड़ गई। संस्था के सदस्यों और वॉलंटियर्स ने बच्चों के बीच जाकर उनसे हंसी-मजाक किया, जिससे सहमे हुए बच्चे भी खिलखिला उठे। हिंदी, मराठी और भोजपुरी गानों पर संस्था के अध्यक्ष, वॉलंटियर्स और बच्चों ने जमकर डांस किया। यहां हर कोई थिरक रहा था और कैंसर का भय जैसे काफूर हो गया था। जयेश शाह 'जरीवाला' कहते हैं, 'हमारे लिए बच्चों को तोहफा देना उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना उनके साथ नाचना और गाना। हम उन्हें कुछ पल का ही सही, एक आनंदमय समय देना चाहते हैं।' इसके बाद पालघर से आए आदिवासी स्कूल के बच्चों के डांस की बारी आई। इन स्कूली बच्चों के नन्हे कदम जब थिरकने लगे, तो ऐसा लगा मानो संगीत ने सारा दर्द सोख लिया हो।

आत्मनिर्भरता की ओर कदम

इस पूरे आयोजन की नींव समाजसेवी जयेश शाह जरीवाला की संवेदनशील सोच पर टिकी थी। पिछले 27 वर्षों से सेवा और 18 वर्षों से टाटा कैंसर के बच्चों के लिए समर्पित जयेश जी का मानना है कि संपन्न लोग मदद तो करना चाहते हैं, बस उन्हें सही जरिया चाहिए। यहां सिर्फ खुशियां ही नहीं, बल्कि सम्मान भी बांटा गया। हर बच्चे को 100 से अधिक उपहार मिले। साथ ही, 100 महिलाओं को सिलाई मशीनें दी गईं। गौर करने वाली बात यह है कि यह दान नहीं था; इन महिलाओं ने तीन महीने का कठिन प्रशिक्षण लेकर परीक्षा पास की थी। यह उन्हें 'आत्मनिर्भर' बनाने की ओर एक ठोस कदम था। इसके अलावा 300 दिव्यांगों को राशन किट, 100 दृष्टिबाधितों को विशेष हैंपर और 70 लोगों को 'स्मार्ट इलेक्ट्रिक स्टिक' प्रदान की गई। दिन ढलते-ढलते बच्चों के कदम थक जरूर गए थे, लेकिन उनकी आंखों की चमक बता रही थी कि वे यादों का एक जादुई पिटारा साथ ले जा रहे हैं। आज का यह मेला साबित कर गया कि जब इंसानियत हाथ मिलाती है, तो दर्द भी मुस्कुराने लगता है। हमने उन्हें वस्तुएं दीं, पर वे हमें जीने का एक नया नजरिया दे गए।

ट्रेड डील पर उठाए सवाल

किसानों के साथ हुआ विश्वासघात: राहुल गांधी

एजेंसी । नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारतीय किसानों के हितों के खिलाफ हो सकता है और देश की कृषि संप्रभुता को कमजोर कर सकता है। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कुछ 'सरल लेकिन महत्वपूर्ण' सवाल पूछना चाहते हैं।

राहुल गांधी के पांच प्रमुख सवाल

DDG इंपोर्ट का क्या मतलब है?

क्या इसका अर्थ यह है कि भारतीय पशुओं को जेनेटिकली मॉडिफाइड (GM) अमेरिकी मक्का से बने डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स (DDG) खिलाए जाएंगे? क्या इससे भारतीय डेयरी उद्योग अमेरिकी कृषि पर निर्भर नहीं हो जाएगा?

GM सोया तेल आयात का असर

यदि GM सोया तेल के आयात की अनुमति दी जाती है, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान समेत देशभर के सोया किसानों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? वे कीमतों में संभावित गिरावट को कैसे झेल पाएंगे?

'Additional Products' में क्या शामिल है?

क्या भविष्य में दालों और अन्य फसलों को भी अमेरिकी आयात के लिए खोले जाने का दबाव बनेगा?

नॉन-टैरिफ बैरियर्स हटाने का अर्थ

क्या भारत पर भविष्य में GM फसलों के प्रति अपने रुख को नरम करने, सरकारी खरीद (Procurement) को कमजोर करने या MSP और बोनस में कटौती का दबाव बनाया जाएगा?

समझौते की सीमाएं क्या होंगी?

एक बार दरवाजा खुलने के बाद हर साल और अधिक फसलों को इस दायरे में लाने से कैसे रोका जाएगा? राहुल गांधी ने कहा कि किसानों को इन सवालों का स्पष्ट जवाब मिलना चाहिए।

विपक्ष का विरोध और 'भारत बंद'

ट्रेड डील के विरोध में विपक्षी दलों, किसान संगठनों और ट्रेड यूनियनों ने 12 फरवरी को देशव्यापी 'भारत बंद' का आह्वान किया। संसद में भी विपक्षी सांसदों ने प्रदर्शन करते हुए सरकार से समझौते का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। वहीं केंद्र सरकार की ओर से Piyush Goyal और Amit Shah ने विपक्ष के आरोपों को भ्रामक बताया है। सरकार का दावा है कि इस समझौते से भारतीय कपड़ा क्षेत्र को 45,000 करोड़ रुपये का नया बाजार मिलेगा और किसानों व डेयरी क्षेत्र के हितों की पूरी सुरक्षा की गई है।

व्हिस्की के घूंट और लग्जरी कारों की सवारी होगी सस्ती

अप्रैल से लागू हो सकती है इंडिया-यूके डील

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच जुलाई 2025 में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता अप्रैल 2026 से लागू हो सकता है। 24 जुलाई 2025 को दोनों देशों ने Comprehensive Economic and Trade Agreement (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के तहत भारत के 99 फीसदी उत्पाद ब्रिटेन में बिना शुल्क (ड्यूटी-फ्री) निर्यात किए जा सकेंगे। वहीं भारत में ब्रिटेन से आने वाली कारों और स्कॉच व्हिस्की पर आयात शुल्क में क्रमिक कमी की जाएगी। दोनों देशों ने दोहरा अंशदान संधि ' पर भी हस्ताक्षर किए हैं, जिससे अस्थायी कर्मचारियों को दो बार सामाजिक सुरक्षा कर नहीं देना पड़ेगा। अधिकारियों के अनुसार, दोनों समझौते एक साथ लागू हो सकते हैं।

संसद की मंजूरी के बाद लागू होगा समझौता

समझौते के लागू होने से पहले ब्रिटेन की संसद से इसकी मंजूरी आवश्यक है। भारत में ऐसे व्यापार समझौतों को केंद्रीय मंत्रिमंडल की स्वीकृति दी जाती है। ब्रिटेन की संसद में इस सप्ताह (सीईटीए) पर बहस हुई। व्यापार एवं वाणिज्य विभाग में राज्य मंत्री क्रिस ब्रायंट ने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता ब्रिटिश कारोबारों के लिए भारत के बाजार में नई संभावनाएं खोलेगा।

2030 तक व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य

(सीईटीए) का उद्देश्य 2030 तक भारत और ब्रिटेन के बीच मौजूदा 56 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना है।भारत ने चॉकलेट, बिस्कुट और ब्यूटी प्रोडक्ट्स जैसे कई ब्रिटिश उपभोक्ता उत्पादों के लिए अपना बाजार खोला है। इसके बदले भारतीय निर्यातकों को वस्त्र, जूते, रत्न-आभूषण, खेल सामग्री और खिलौनों के लिए ब्रिटेन में बेहतर पहुंच मिलेगी।

ओवैसी का आरोप

BJP का नया हथियार SIR, नागरिकता छीनने की साजिश

एजेंसी । हैदराबाद

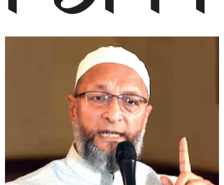

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के 68वें पुनरुत्थान दिवस के अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि भाजपा SIR प्रक्रिया के जरिए लोगों की नागरिकता छीनने की कोशिश कर रही है।ओवैसी ने दावा किया कि बिहार में प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब इसे तेलंगाना और महाराष्ट्र में लागू करने की तैयारी है। उन्होंने आशंका जताई कि इस प्रक्रिया के बहाने वास्तविक भारतीय नागरिकों,

'वोटर लिस्ट में नाम सुनिश्चित करें'

ओवैसी ने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि जब भी SIR की प्रक्रिया शुरू हो, नागरिक यह सुनिश्चित करें कि उनका नाम मतदाता सूची में शामिल रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव आयोग के माध्यम से संशोधन कराकर नागरिकता पर असर डालने की कोशिश कर रही है। उनके अनुसार, तेलंगाना के चुनाव अधिकारियों ने संकेत दिया है कि राज्य में SIR प्रक्रिया की घोषणा अप्रैल-मई के दौरान हो सकती है।

मस्जिदों पर बुलडोजर और बढ़ता ध्रुवीकरण

मीरवाइज उमर फारूक ने जताई चिंता

श्रीनगर/बडगाम। कश्मीर के प्रमुख धर्मगुरु मीरवाइज उमर फारू ने देश में मुसलमानों की मौजूदा स्थिति को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। बडगाम में एक

धार्मिक सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में मुसलमान इस समय 'बहुत कठिन और चुनौतीपूर्ण दौर' से गुजर रहे हैं। मीरवाइज ने आरोप लगाया कि मस्जिदों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं, मुसलमानों की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है और समुदाय के लोगों पर हमले हो रहे हैं। उनके मुताबिक, इन घटनाओं से समुदाय में डर और असुरक्षा का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि 'हमें बेआवाज लोगों की आवाज बनना होगा।'

दिल्ली ब्लास्ट में बड़ा खुलासा

डॉक्टरों ने बनाया आतंकी मॉड्यूल

एजेंसी । नई दिल्ली

श्रीनगर पुलिस और एनआईए (NIA) की संयुक्त जांच में एक कथित आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश हुआ है। जांच एजेंसियों के अनुसार, 'अंसार अंतरिम' नाम से सक्रिय इस समूह के कुछ सदस्य पेशे से डॉक्टर थे। जांच में दावा किया गया है कि दिल्ली के लाल किला के पास हुए बम धमाके के पीछे इसी मॉड्यूल का हाथ था। जांच रिपोर्ट के मुताबिक, इस नेटवर्क की शुरुआत अप्रैल 2022 में श्रीनगर के ईदगाह इलाके में एक कथित गुप्त बैठक से हुई।

बैठक में डॉक्टर मुजमिल गनी, उमर-उन-नबी और अदील राथर सहित अन्य लोग शामिल थे। यहीं 'अंसार अंतरिम' के गठन का निर्णय लिया गया। एजेंसियों के अनुसार, अदील को मॉड्यूल का प्रमुख और मौलवी इरफान को डिप्टी प्रमुख बनाया गया था। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि समूह का उद्देश्य कश्मीर के अलावा अन्य बड़े शहरों को भी निशाना बनाना था।

यूनिवर्सिटी के पास किराए के कमरे में ट्रेनिंग

जांच में सामने आया है कि मॉड्यूल के सदस्य ऑनलाइन वीडियो और मैनुअल की मदद से IED और TATP जैसे विस्फोटक बनाने की जानकारी जुटा रहे थे। मुख्य आरोपी डॉक्टर उमर (जिसकी मृत्यु हो चुकी है) पर हरियाणा के फरीदाबाद और नूंह से विस्फोटक सामग्री जुटाने का आरोप है। बताया जा रहा है कि उसने फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के पास एक किराए का कमरा लिया था।